

षष्ठी पूजा आज

27 सितंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



फर्स्ट आइडिया की कार्यशैली व जिला प्रशासन की सुस्ती से सफाईकर्मियों में गहराया आक्रोश 2

2026 चुनाव के बाद सोनार बांग्ला बनेगा बंगाल : अमित शाह



एजेंसी। नई दिल्ली

दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन में बोले अमित शाह11केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के मशहूर संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बंगाल और देशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि नौ दिनों तक चलने वाला शक्ति की उपासना का यह पर्व आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया है। साथ ही उन्होंने इस दौरान मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बने, जो राज्य को फिर से सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) बना सके। गृह मंत्री ने कहा कि नवरात्रि और दुर्गा पूजा अब सिर्फ बंगाल और भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल की ये महान परंपरा अब वैश्विक पहचान बन चुकी है। पूरे नौ दिन राज्य में शक्ति की उपासना होती है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व बंगाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए और राज्य के विकास के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारतह्व के सपने को साकार किया जा सके। इस दौरान शाह ने दुर्गा पूजा की शुरूआत में हुई भारी बारिश और हादसों पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, ह्लत्योहार की शुरूआत एक दुखद घटना से हुई, जहां 10 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। मैं उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गौरतलब है कि 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलधार बारिश से कम से कम 11 लोगों की मौत हुई थी।

विद्यासागर को श्रद्धांजलि

इसके सात ही इस मौके पर शाह ने महान समाज सुधारक और शिक्षाविद ईश्वरचंद्र विद्यासागर को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने कहा कि विद्यासागर जी ने बंगाल ही नहीं, पूरे भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया, खासकर महिलाओं की शिक्षा के लिए। उन्होंने अपना जीवन बंगाली भाषा और संस्कृति के लिए समर्पित किया। इसके साथ ही अमित शाह ने सॉल्ट लेक स्थित ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी) में भाजपा समर्थित पश्चिम बंगा संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का भी उद्घाटन किया।

टीएमसी नेता ने किया पलटवार

अमित शाह के बयान पर टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पलटवार किया। टीएमसी नेता ने केंद्र पर बंगाल को दो लाख करोड़ रुपये का बकाया नहीं देने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा ने लगातार राज्य के प्रतीकों का अपमान किया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमित शाह बताएं कि वे हमें मिलने वाले दो लाख करोड़ रुपये कब जारी करेंगे? अगर वह कहते हैं कि एआईटीसी झूठ बोल रही है, तो उनसे अपनी पसंद का कोई भी माध्यम चुनने को कहें और मैं तथ्यों और आंकड़ों के साथ बहस के लिए आऊंगा। उन्होंने कहा कि अमित शाह सोनार बांग्ला की बात करते हैं, लेकिन क्या उन्होंने सोनार बिहार बनाया? क्या वे सोनार गुजरात, महाराष्ट्र या उत्तर प्रदेश बना पाए? वे इन सभी भाजपा शासित राज्यों में हमारे धन का उपयोग कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बनाने की इजाजत, बिक्री पर रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों (ग्रीन) के निर्माण को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कुछ नरमी दिखाई है. सर्वोच्च अदालत ने एनसीआर क्षेत्र में ग्रीन पटाखों के निर्माण की मंजूरी दी है. हालांकि यह साफ कर दिया है कि जबतक यह अदालत अनुमति नहीं देगी तब तक निर्मित किए गए पटाखों की बिक्री नही की जा सकती है. केंद्र सरकार से अदालत ने कहा है कि वह सभी पक्षों से बात कर दिल्ली-एनसीआर में इस मसले पर समाधान निकाले. सीजेआई बीआर गवई के नेतृत्व वाली बेंच ने कहा कि उल्लंघन करने वाले लोगों के लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाने चाहिए. हम अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध करते हैं कि वे सभी हितधारकों को साथ लेकर एक व्यावहारिक समाधान लेकर आएँ जिसे सभी स्वीकार करें. केंद्र की तरफ से पेश एडीशनल सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने 10 दिन दिये जाने की मांग की, जिस पर सुनवाई की अगली तारीख 8 अक्टूबर तय कर दी गई. सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि यह स्पष्ट किया गया है कि पूर्ण प्रतिबंध के आदेश के बावजूद, प्रतिबंध लागू नहीं हो सका. साथ ही आदेश में दर्ज किया कि बिहार राज्य की तरह, जहाँ खनन पर प्रतिबंध था, वहां भी अवैध खनन माफियाओं को बढ़ावा मिला. इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है. इसलिए ASG को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को सूचित करना चाहिए कि सभी हितधारकों को शामिल किया जाए. सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि उन पटाखा निमार्ताओं को अनुमति दी जाती है, जिनके पास PESO और NEERI द्वारा प्रमाणित हरित पटाखे हैं.

पीएम ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरूआत की

बिहार की 75 लाख महिलाओं को मिले ₹10-10 हजार

- राज्य की 22% महिला वोटर्स को फायदा

एजेंसी। नई दिल्ली

महिलाओं को स्वरोजगार और रोजगार करने के लिए बिहार सरकार ने प्रत्येक परिवार की एक महिला को 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत दस हजार रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी, जिसकी शुरूआत आत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। आज ऑनलाइन के माध्यम से 75 लाख महिलाओं के खातों में दस हजार रुपए भेजे गये, ताकि वह इस योजना का लाभ लेते हुए खुद का रोजगार कर सकें। 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' उन महिलाओं के लिए है जिनके घर में कोई सरकारी नौकरी में नहीं हैं और जिनके आय का कोई स्रोत नहीं है। इए में सरकार ने वैसी महिलाओं को आगे बढ़ाना चाहती है जो खुद का कोई रोजगार करना चाहती हैं। यह योजना एक परिवार में सिर्फ एक महिला को मिलेगा ताकि उसके



परिवार का जीवन यापन सही से चल सके। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह यूनिवर्सल मॉडल पर आधारित है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की हर वर्ग और समुदाय की महिलाओं को शामिल किया गया है। आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कर सकते हैं। अब तक इस योजना के तहत 1.11 करोड़ से अधिक महिलाओं द्वारा आवेदन किए जा चुके हैं, जिससे यह देश की सबसे बड़ी महिला रोजगार योजना के रूप में स्थापित हो चुकी है। इस मौके पर पीएम मोदी ने जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'अगर देश ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते न खुलवाए होते तो क्या आज इतने पैसे हम सीधे आपके खाते में भेज पाते? उन्होंने कहा कि आज जो पैसे भेजे जा रहे हैं, वह पूरे आपके खाते में जमा होंगे। कोई एक पैसा नहीं मार सकता है। पहले योजना का पैसा आप तक पहुंचने से पहले लूट जाता था। अब किसी भी योजना का रुपया सीधे आपके अकाउंट में जा रहा है।

बहन-बेटियों के सपनों में लगेंगे पंख : पीएम मोदी

पीएम ने कहा, "आज से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना शुरू की जा रही है. इस योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं. अभी एक साथ इन सभी 75 लाख बहनों के बैंक अकाउंट में 10ह्म10 हजार रुपये भेजे गए हैं. जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तब मैं सोच रहा था कि आज नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए कितना बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है. जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को नए पंख लग जाते हैं और समाज में उसका सम्मान और भी बढ़ जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आरजेडी पर साधा निशाना

पीएम ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, "आरजेडी के राज में कोई भी घर में सुरक्षित नहीं था. सबसे ज्यादा मार महिलाओं ने झेली है. महिलाओं ने आरजेडी नेताओं के अत्याचार को भी देखा है, लेकिन नीतीश राज में बेटियां बेखौफ घूमती हैं. हम महिलाओं को बचाने के लिए उज्ज्वला योजना लेकर आए हैं. उन्होंने कहा, "जब कोई सरकार महिलाओं को केंद्र में रखकर कोई नीति बनाती है, तो उसका फायदा समाज के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ता है. उदाहरण के लिए, उज्ज्वला योजना से कितना बड़ा बदलाव आया है, ये आज पूरी दुनिया देख रही है. स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान. इस अभियान के सवा चार लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर गांव-गांव और कस्बों में लगाए जा रहे हैं. खून की कमी, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच की जा रही है।



अमेरिका से 2,417 भारतीय नागरिकों का निर्वासन अवैध प्रवासन पर विदेश मंत्रालय ने जारी की चेतावनी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत सरकार ने जानकारी दी है कि जनवरी से अब तक अमेरिका से कुल 2,417 भारतीय नागरिकों को प्रत्यर्पित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को कानूनी प्रवासन के विकल्प अपनाने और दक्षिण पूर्व एशिया में मिलने वाले संदिग्ध रोजगार अवसरों से दूर रहने की चेतावनी भी जारी की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान बताया कि जनवरी से अब तक अमेरिका से कुल



2,417 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया है। उन्होंने अवैध प्रवासन के खिलाफ भारत की स्पष्ट नीति को दोहराते हुए कहा कि भारत कानूनी तरीके से प्रवासन को बढ़ावा देने का पक्षधर है।अमेरिका से हुए निर्वासनों में पूरी की जा रही प्रक्रिया जायसवाल ने कहा कि जब किसी देश में कोई व्यक्ति कानूनी स्थिति के बिना पाया जाता है और उसकी भारतीय नागरिकता का दावा किया जाता है, तो भारत उसके दस्तावेजों की जांच कर राष्ट्रीयता की पुष्टि करने के बाद ही उसे वापस लेता है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अमेरिका से हुए निर्वासनों में लगातार जारी है।

सीबीआई की बड़ी कामयाबी, फरार आरोपी परमिंदर सिंह को यूएई से लाया गया भारत

एजेंसी। नई दिल्ली



सीबीआई ने इंटरपोल चैनल्स के जरिए बड़ी सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस को वांछित आरोपी परमिंदर सिंह उर्फ निर्मल सिंह उर्फ पिंडी को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया गया है। परमिंदर सिंह पर फंड जुटाकर आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने, रंगदारी, हत्या की कोशिश और आपराधिक धमकी जैसे गंभीर आरोप हैं। भारत से फरार होने के बाद वह लंबे समय से विदेश में छिपा हुआ था। उइक की इंटरनेशनल पुलिस कोऑपरेशन यूनिट ने विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, अबू धाबी स्थित एनसीबी और पंजाब पुलिस के साथ मिलकर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 26 सितंबर को पंजाब पुलिस की टीम उसे वअए से लेकर भारत पहुंची। इससे पहले, 13 जून 2025 को पंजाब पुलिस के कहने पर सीबीआईने इंटरपोल से रेड नोटिस जारी कराया था। इसके बाद यूएई की एजेंसियों ने आरोपी को गिरफ्तार किया और उसे भारत प्रत्यर्पित करने का फैसला लिया। बता दें कि रेड नोटिस इंटरपोल द्वारा जारी किया जाने वाला अलर्ट है, जो दुनिया भर की पुलिस एजेंसियों को भेजा जाता है ताकि फरार अपराधियों को पकड़ा जा सके।

62 साल बाद रिटायर हुआ; 1965, 1971 और कारगिल जंग में शामिल रहा

मिग-21 फाइटर की आखिरी उड़ान, एयरफोर्स चीफ ने सवारी की

एजेंसी। नई दिल्ली

आपकी वीरता की जो यह यात्रा रही है इसमें मिग-21 का भी योगदान रहा है। आज हम सब इसको विदाई दे रहे हैं। मेरे मन में गौरव और कृतज्ञता की भावना भी है। हम एक ऐसे अध्याय को विदाई दे रहे हैं, जिससे काफी यादें जुड़ी हैं। यह एक मशीन भर नहीं है बल्कि भारत रूस की मित्रता की मिसाल है। मिग ने कई गौरव के पल जोड़े हैं। भारत में 850 मिग रहे हैं। अभी आप लोगों ने देखा कि फाइनल



फ्लाई पास्ट को खुद लीड किया। यह उसके प्रति सम्मान दशार्ता है। मिग-21 फाइटर की आखिरी उड़ान, एयरफोर्स चीफ ने सवारी कीभारतीय वायुसेना की 'रीढ़' कहा जाने वाला मिग-21 एयरक्राफ्ट शुक्रवार को रिटायर हो गया। चंडीगढ़ एयरबेस में फाइटर जेट को विदाई दी गई। आज से विमान की सेवाएं आधिकारिक तौर पर खत्म हो गई हैं। विदाई समारोह में एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने 23 स्क्वाड्रन के 6 जेट के साथ आखिरी उड़ान भरी।

मिग-21 से हमारे साथ काफी यादें जुड़ी हैं : रक्षामंत्री

आपकी वीरता की जो यह यात्रा रही है इसमें मिग-21 का भी योगदान रहा है। आज हम सब इसको विदाई दे रहे हैं। मेरे मन में गौरव और कृतज्ञता की भावना भी है। हम एक ऐसे अध्याय को विदाई दे रहे हैं, जिससे काफी यादें जुड़ी हैं। यह एक मशीन भर नहीं है बल्कि भारत रूस की मित्रता की मिसाल है। मिग ने कई गौरव के पल जोड़े हैं। भारत में 850 मिग रहे हैं। अभी आप लोगों ने देखा कि फाइनल फ्लाई पास्ट को खुद लीड किया। यह उसके प्रति सम्मान दर्शाता है।



मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना: बक्सर में 90 करोड़ से अधिक की राशि का हुआ अंतरण

- मुख्यमंत्री की उपस्थित में पीएम ने ऑनलाइन किया हस्तांतरण, बढ़ेगा रोजगार

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर भवन, बक्सर में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और



जीविका दीदियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इस मौके पर बड़ी संख्या में लाभुक महिलाएं और जीविका समूह की सदस्याएं उपस्थित रहीं। योजना का मकसद है कि राज्य के प्रत्येक परिवार की कम से कम एक महिला को रोजगार से जोड़ा जाए। प्रारंभिक स्तर पर प्रत्येक लाभुक महिला को 10 हजार की राशि दी जा रही है, जिससे वह अपनी पसंद का रोजगार शुरू कर सके। आगे चलकर प्रदर्शन और आवश्यकता के आधार पर 2 लाख तक की अतिरिक्त सहायता का प्रावधान भी रखा गया है।

सहकारिता और संगठन से मजबूत होगी महिलाएं

इस योजना को सामुदायिक सहकारिता पर आधारित किया गया है। लाभुकों को स्थानीय स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जोड़ा जाएगा, ताकि रोजगार की दिशा तय करने और उसे शुरू करने में उन्हें सहयोग मिल सके। राज्यभर में पहले से सक्रिय 11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह और 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदियों का नेटवर्क इस योजना की रीढ़ बनेगा।

प्रशिक्षण और बाजार की सुविधा

सरकार न केवल प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगी बल्कि उत्पादन और विपणन में भी महिलाओं का सहयोग करेगी। गांवों से लेकर शहरों तक हाट-बाजार विकसित किए जाएंगे, ताकि महिलाओं के उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित हो और वे स्थायी आय का स्रोत प्राप्त कर सकें।

बक्सर में हुआ 90 करोड़ से अधिक का अंतरण

बक्सर जिले में 90,81,80,000 रुपये की राशि का सीधा अंतरण किया गया। यह राशि जीविका समूह अंतर्गत 90,818 जीविका दीदियों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से दी गई। इस मौके पर जिलेभर की महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। योजना का लक्ष्य है महिलाओं को केवल आर्थिक सहयोग देना ही नहीं बल्कि उन्हें उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाना। स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता पर आधारित यह प्रयास न केवल महिलाओं की स्थिति मजबूत करेगा बल्कि राज्य और देश की आर्थिक प्रगति में भी सहायक सिद्ध होगा।

मतदाता जागरूकता हेतु प्रभात फेरी का आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निदेर्शानुसार शुक्रवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत किला मैदान, बक्सर से प्रभात फेरी निकाली गई। उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी ने प्रातः 7 बजे हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया। यह प्रभात फेरी किला मैदान से ज्योति चौक होते हुए समाहरणालय परिसर तक निकाली गई, जिसमें सरकारी स्कूलों के लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि प्रभात फेरी का मुख्य उद्देश्य योग्य मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से अपील की कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। इसलिए वे मतदान दिवस पर अपने मत का प्रयोग जरूर करें, क्योंकि एक-एक मत राज्य और देश की दिशा तय करता है। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी, स्वीप कोषांग ने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य अधिक से अधिक मतदाताओं को जोड़ना और मतदान प्रतिशत में वृद्धि करना है। वहीं स्वीप आईकॉन ने युवाओं को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। प्रभात फेरी के दौरान स्कूली बच्चों ने आकर्षक नारे भी लगाए।

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान उत्पाद विभाग को मिली सफलता, कंटेनर चालक गिरफ्तार

उत्पाद विभाग ने पकड़ी शराब लदी कंटेनर फर्नीचर के आड़ में हो रही थी तस्करी



केटी न्यूज/बक्सर

उत्पाद विभाग की पुलिस ने बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतु पर लाखों रूपए मूल्य की शरा लदी एक कंटेनर को पकड़ा है। उत्पाद टीम ने तस्करी के आरोप में कंटेनर चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है।

कंटेनर पर विभिन्न ब्रांडो की 1764 लीटर विदेशी शराब तथा 24 लीटर बियर को सड़े-गले फर्नीचर की आड़ में छिपाकर पंजाब के मोहाली से बिहार लाया जा रहा था, लेकिन वीर कुंवर सिंह सेतु पर मुश्तैद उत्पाद टीम ने तस्करों के मंसूबे को तोड़ते हुए कंटेनर को पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मोहाली (पंजाब) के डेरावासी निवासी संजिंदर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ के आधार पर तस्करी के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। दुर्गापूजा से पूर्व उत्पाद पुलिस की इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है।

उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गुरूवार की रात उत्पाद विभाग की टीम वीर कुंवर सिंह सेतु पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी, इसी दौरान पंजाब नंबर की एक छह चक्का ट्रक जिसका रजिस्टेज्शन नंबर पीबी 1 डीबी 8871 आती दिखाई पड़ी। पुलिस टीम ने जब उसे रोक चालक से पूछताछ की तो उसने बताया कि ट्रक में सड़े-गले फर्नीचर लदे है। हालांकि, चालक के हावभाव से उत्पाद टीम का शक गहराया तथा जब स्कैनर से पड़ताल की गई तो ट्रक के अंदर शराब की पेटियां नजर आई। इसके बाद उत्पाद टीम ने चालक को हिरासत में ले गहराई से पड़ताल की। जब ट्रक पर लदे टूटे-फूटे व सड़े-गले फर्नीचर को हटाया गया तो उत्पाद विभाग की टीम भौचक रह गई। पूरी ट्रक शराब की पेटियों से भरी थी।

ट्रक से बरामद हुआ भारी मात्रा में शराब

उत्पाद विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उक्त ट्रक से रॉयल स्टेज ब्रांड की 100 पेटी (900 लीटर), ब्लू स्टॉक्स व्हिस्की 74 पेटी (639.360) लीटर, किंग फिशर बियर एक पेटी (12 लीटर), बडवाइजर बियर एक पेटी (12) लीटर समेत कुल 1764 लीटर विदेशी शराब व 24 लीटर बियर समेत कुल 1788 लीटर शराब बरामद हुआ है। जिसकी कीमत करीब 30 लाख रूपए आंकी जा रही है। उत्पाद टीम इसे बड़ी सफलता मान रही है।

पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी पुलिस

शराब लदी कंटेनर बरामद होने के बाद उत्पाद विभाग की टीम तस्करों के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ के दौरान मिले सुराग के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही तस्करी के पूरे गिरोह का भंडाफोड़ किया जाएगा।

क्या बिहार चुनाव में खपाने की थी तैयारी

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषण के ऐन पूर्व भारी मात्रा में शराब की खेप बरामद होने से कई सवाल खड़े हो रहे है। वहीं, जानकारों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के पूर्व शराब तस्कर शराब की खेप का स्टॉक करना चाह रहे है, ताकि चुनाव के दौरान डिमांड को पूरा किया जा सके, लेकिन वीर कुंवर सिंह सेतु पर मुश्तैद उत्पाद विभाग तथा बक्सर पुलिस की तत्परता से तस्करों के मंसूबे पर पानी फिर गया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

राजपुर में रोजगार मेला आयोजित 120 युवाओं को मिला अवसर

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को जीविका की ओर से एकदिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह, जदयू विधानसभा प्रभारी संजय पटेल तथा डीपीएम दयानिधि चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता बीपीएम राकेश कुमार एवं संचालन जॉब मैनेजर भोलानाथ पांडेय ने किया। अतिथियों का स्वागत जीविका दीदियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया गया। मेले में जोमैटो, विजन इंडिया, शिवशक्ति, पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान समेत कुल 16 कंपनियों ने भागीदारी की। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों युवाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से लगभग 120 युवाओं का ऑन द स्पॉट इंटरव्यू लेकर चयन किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया। बीपीएम राकेश कुमार ने कहा कि जीविका से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन, मुर्गी पालन जैसे कार्यों से आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। बीस सूत्री अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह ने बच्चों को शिक्षा व खेलकूद के प्रति प्रेरित करने और माता-पिता को उनकी परवरिश पर ध्यान देने की अपील की। वहीं, जदयू विधानसभा प्रभारी संजय पटेल ने कहा कि जीविका समूह रोजगार सृजन और आर्थिक लेन-देन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में चयनित छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कठघरवा में कुएं में गिर किशोर की मौत, स्वजनों में छाया मातम

- पूर्व चौकीदार का पोता है मृतक, स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस ने निकलवाया शव

केटी न्यूज/चौसा

कुएं में गिरने से एक किशोर की मौत हो गई है। घटना गुरूवार की देर शाम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कठघरवा गांव की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकलवाया। मृतक गांव के ही पूर्व चौकीदार के नाती तथा लालू यादव के पुत्र मुन्ना यादव उर्फ टेलहु (14 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि मुन्ना यादव शाम के समय गांव स्थित बगीचे में बने कुएं के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे कुएं में जा गिरा। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक उसकी डूबने से मौत हो चुकी थी। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को बुलाया और इसकी सूचना पुलिस को दी।मामले की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस



घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उसकी असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव के विंध्याचल बने भाजपा न्यायिक मामले एवं चुनाव आयोग संपर्क विभाग के प्रमुख, मिली बधाई

- मूल रूप से डुमरांव के रहने वाले है विंध्याचल राय, हाई कोर्ट के तेज तर्रार अधिवक्ताओं में होती है गिनती

केटी न्यूज/डुमरांव

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व पटना हाई कोर्ट के तेज तर्रार अधिवक्ता विंध्याचल राय को पार्टी द्वारा न्यायिक मामले एवं चुनाव आयोग संपर्क विभाग का प्रमुख बनाया गया है।

उन्हें न्यायिक मामले व चुनाव आयोग संपर्क विभाग का प्रमुख बनाए जाने पर डुमरांव तथा ब्रह्मपुर विस क्षेत्र के कार्यकताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है। कार्यकताओं ने कहा कि उन्हें पार्टी द्वारा न्यायिक मामले व चुनाव आयोग संपर्क विभाग का प्रमुख बनाए जाने से आगामी विस चुनाव में पार्टी को बड़ा लाभ मिलेगा। खासकर उनके पास न्यायिक मामलों की गहरी जानकारी तथा पार्टी के प्रति समपर्ण भाव से विस चुनाव के दौरान न्यायिक मामलों में भाजपा को बड़ी राहत मिलेगी। विंध्याचल लिगल मामलों के अच्छे जानकार माने जाते है, जिसका लाभ पार्टी को चुनाव के दौरान मिलेगा।



बता दें कि विंध्याचल मूल रूप से ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के जवही जगदीशपुर के रहने वाले है तथा डुमरांव में भी दशकों से उनका परिवार रहता है। उनकी गिनती बिहार भाजपा के तेज-तर्रार नेताओं में होती है तथा वे भाजपा कार्यकताओं के लिगल मामलों की लड़ाई निःशुल्क भी लड़ते है। यही कारण है कि कार्यकताओं का उनसे खास लगाव रहता है।

पार्टी द्वारा उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेवारी को देने के बाद भाजपा के स्थानीय कार्यकताओं ने खुशी जताई है। खुशी जताने वालों में भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, युवा मोर्चा के प्रांतीय नेता दीपक यादव, संटू मित्रा, अभिषेक कुमार, मुखिया सिंह कुशवाहा, रोहित सिंह समेत दर्जनों अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

बधाई देने वाले कार्यकताओं ने कहा कि उनका अनुभव, विधिक विशेषज्ञता और कुशल नेतृत्व क्षमता निश्चित रूप से इस विभाग को सशक्त बनाएगी और पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगी। कार्यकताओं ने उम्मीद जताया कि 2025 के विधानसभा चुनाव प्रबंधन में इनके नेतृत्व में न्यायिक मामले व चुनाव आयोग संपर्क विभाग नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा।



डुमरांव नप क्षेत्र में कूड़ा डंपिंग की समस्या का होगा निदान लीज पर जमीन लेने की तैयारी

- जमीन खरीदने का प्रयास विफल, एनआईटी में नहीं मिला साथ
- अब 5 से 7 किलोमीटर के दायरे में लीज पर ली जाएगी जमीन,विभाग का निर्देश
- एमआरएफ और वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट की भी होगी व्यवस्था

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र को लंबे समय से कूड़ा डंपिंग को लेकर गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शहर की सफाई एजेंसी के द्वारा नियमित सफाई तो की जाती है, लेकिन कूड़ा कहां डंप किया जाए, यह सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। नगर परिषद क्षेत्र के लोगों को इस अव्यवस्था के कारण हर माह शिकायत दर्ज करनी पड़ रही है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद और जिला प्रशासन की ओर से कई प्रयास किए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी। डंपिंग यार्ड को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग ने नगर परिषद डुमरांव को निर्देश दिया था कि एनजीटी के नियमों के अनुसार शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर 5 एकड़ जमीन खरीदी जाए। इसके लिए विभाग की ओर से निविदा भी जारी की गई थी। लेकिन इस एनआईटी में किसी भी पक्ष ने भाग नहीं लिया।

एक माह के अंदर पूरी प्रक्रिया करके विभाग को भेजना है रिपोर्ट

नप ईओ राहुलधर दुबे ने बताया कि विभाग ने इस पूरी प्रक्रिया को एक माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एक रूपरेखा तैयार की जाएगी और क्रियान्वयन की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि लीज पर ली गई जमीन का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से प्रत्येक माह निर्धारित तिथि पर किया जाएगा। भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शिता करने के लिए विभाग की ओर से कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

वजह यह बताई गई कि जमीन मालिकों को प्रस्तावित दर के अनुसार उचित राशि नहीं मिल रही थी। इसके बाद नगर विकास विभाग के अवर सचिव सह निदेशक विजय प्रसाद मीणा ने एक और पत्र 22 सितंबर 2025 को जारी कर नगर परिषद को स्पष्ट निर्देश दिया है कि कूड़ा डंपिंग के लिए अब जमीन खरीदी नहीं जाएगी, बल्कि लीज पर ली जाएगी। नए निर्देशों के अनुसार नगर परिषद को शहर से 5 से 7 किलोमीटर की परिधि में जमीन तलाश कर लीज पर लेना होगा। इस प्रक्रिया में जिला प्रशासन और नगर परिषद प्रशासन की संयुक्त टीम काम करेगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पूरी प्रक्रिया एनजीटी के गाइडलाइन के तहत ही होगी, ताकि पर्यावरणीय मानकों का पालन हो सके।

लीज पर लिजाने वाली जमीन पर डंपिंग के साथ उसका निस्तारण भी एक साथ होगा

ईओ दुबे ने यह भी जानकारी दी कि नई जमीन मिलने के बाद वहां केवल डंपिंग ही नहीं, बल्कि मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी और वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट भी स्थापित की जाएगी। इसका उद्देश्य कूड़े के वैज्ञानिक और व्यवस्थित निस्तारण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि डुमरांव नगर परिषद के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी, क्योंकि अब तक केवल अस्थायी उपाय ही अपनाए जाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर परिषद की टीम ने शहर के कई संभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया है और जमीन की पहचान की प्रक्रिया जारी है। टीम यह सुनिश्चित करेगी कि चयनित स्थल न केवल नियमों के अनुरूप हो, बल्कि वहां तक कूड़ा ले जाने में परिवहन व्यवस्था भी सुगम हो।

जलजमाव की समस्या से नगरवासियों को शीघ्र मिलेगा निजात, ड्रेनेज व्यवस्था दुरूस्त होगा

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र के अधिकांश वार्डों और मुख्य सड़कों पर पिछले कई दिनों से जलजमाव की स्थिति बनी हुई है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दुबे ने गुरुवार को शहर के कई प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल पर जाकर जलजमाव की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और तत्काल समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये। निरीक्षण के बाद ईओ ने नगर परिषद के सभी जेई और संबंधित कर्मियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें शहर के ड्रेनेज सिस्टम पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक वार्ड में सर्वे कर यह पता लगाया जाए कि जल निकासी में बाधा कहां उत्पन्न हो रही है। जिन स्थानों पर जल निकासी की समस्या है, उन्हें शीघ्र चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। ईओ दुबे ने कहा कि शहर के भीतर स्थित छोटे-बड़े पुलों और उनके नीचे से गुजरने वाली नालियों की सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके लिये जलजमाव वाले स्थलों को चयनित करते हुए उसके बहाव को सुनिश्चित करते हुए कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही शहर के सेंट्रल नाला की भी विधिवत सफाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जल निकासी के अंतिम बिंदु की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि जल का निकास निर्बाध रूप से हो सके और लोगों को राहत मिले। ईओ ने आगे कहा कि स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज सिस्टम पर भी विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य है कि भविष्य में बारिश के मौसम में शहर के किसी भी इलाके में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो, यदि सभी विभाग मिलकर समय पर सफाई और रखरखाव का कार्य करते हैं, तो डुमरांव को जलजमाव जैसी समस्या से स्थायी समाधान मिल सकता है। नगर परिषद द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान न केवल तत्काल राहत प्रदान करेगा, बल्कि शहर की जल निकासी व्यवस्था को लंबे समय तक सुचारु बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगा। मालूम हो कि नगर के बीचोबीच से गुजरने वाली सड़क स्टेशन रोड एनएच-120 की है, जिस पर नप काम नहीं लगा सकता है। इस रोड को हैंडओवर करने की मांग एनएच के कार्यपालक अभियंता से की गई है, लेकिन अभी तक काई जवाब नहीं मिला है। इधर नगर प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में कचरा न फेंके और सफाई कार्य में सहयोग करें, ताकि डुमरांव को स्वच्छ और जलजमाव मुक्त शहर बनाया जा सके। इस दौरान लोक स्वच्छता पदाधिकारी राजीव कुमार, कार्यवाहक चेयरमैन विकास कुमार, प्रधान सहायक दूर्गेश सिंह, सफाई एनजीओ कर्मी विक्की सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

नप द्वारा बंद सीसीटीवी कैमरे को किया गया दुरूस्त, नवरात्रि में श्रद्धालुओं को मिलेगी सुरक्षा

डुमरांव। दशहरा पर्व को लेकर डुमरांव शहर सहित विस्तारित क्षेत्रों में लगाए सीसीटीवी कैमरा बहुत से स्थानों पर खराब हो गए हैं। खराब पड़े सभी सीसीटीवी कैमरों को एजेंसी सही करने के लिये एजेंसी को नोटिस दिया गया था। उक्त नोटिस पर एजेंसी ने काम करना शुरू कर दिया गया है। एजेंसी के ऑपरेटर ने बताया की सभी कैमरा को ठीक किया जा रहा है। 27 सितंबर से सभी कैमरा काम करना शुरू कर देंगे। कैमरा को सुदृढ़ करने के लिये नप ईओ से पुलिस प्रशासन की तरफ से अनुरोध किया गया था। मालूम हो की डुमरांव थानाध्यक्ष संजय सिन्हा द्वारा नगर परिषद द्वारा लगाए गए कैमरों की जांच एक सप्ताह पूर्व की गई। इस दौरान पता चला कि कुल 107 कैमरों में से 77 कैमरा बंद थे और काम नहीं कर रहे थे। यह स्थिति सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर मानी गई। वहीं विस्तारित क्षेत्रों में भी 50 कैमरा स्थापित करना है, जिसका काम अभी शुरू किया गया है, ऐसे में लोगों में इस बात का आक्रोश है कि जब पर्व शुरू होने वाला है तो कैमरे को सही किया जा रहा है, यह काम पहले ही कर लेना चाहिए थी। एजेंसी ने ईओ के आदेश का पालन करते हुए सभी 107 कैमरों को दुरुस्त किया जा रहा है। इससे न केवल थाने की निगरानी प्रणाली मजबूत होगी, बल्कि अपराध पर नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने में भी पुलिस को मदद मिलेगी। विशेष रूप से नवरात्रि जैसे पर्वों में शहर में भारी भीड़ होती है। अब सक्रिय कैमरों के माध्यम से पुलिस को भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पर निगरानी रखने में आसानी होगी। इससे न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि किसी भी अप्रिय घटना पर त्वरित कार्रवाई की संभावना भी बढ़ जाएगी। नगर थानाध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि सक्रिय सीसीटीवी कैमरे अब पुलिस कार्य को और प्रभावी बनाएंगे और अपराध पर नजर रखने में मदद करेंगे। उन्होंने नगर परिषद और ईओ के सहयोग की सराहना की।

डुमरांव के सफाईकर्मियों ने स्थानीय विधायक से लगाई गुहार, विधायक ने डीएम से स्थिति स्पष्ट करने को कहा

फर्स्ट आइडिया की कार्यशैली व जिला प्रशासन की सुस्ती से सफाईकर्मियों में गहराया आक्रोश



केटी न्यूज/बक्सर

नावानगर, डुमरांव व इटाढ़ी प्रखंडो में कार्यरत हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को लेकर सरकारी विद्यालयों के सफाईकर्मियों में उहापोह की स्थिति बनी हुई है। एक तरफ बहुत कम मजदूरी पर वे कार्य कर रहे है, दूसरा कि उन्हें कई महीने से मजदूरी नहीं मिली है। लेकिन, सफाई कर्मियों में सबसे बड़ा संशय हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के भविष्य को लेकर है। मजदूर यह नहीं समझ पा रहे है कि यह एजेंसी आगे काम करेगी या फिर किसी दूसरी एजेंसी का चयन होगा। सफाईकर्मियों में इस बात का डर बना हुआ है कि जांच में दोषपूर्ण चयन सिद्ध होने के बाद कही आगे एजेंसी को काम से रोक नहीं दिया जाए, तब इस एजेंसी के माध्यम से किए गए सफाई कार्यों का भुगतान का पेंच फंस सकता है। इस मामले में डुमरांव नगर के सरकारी स्कूलों के सफाईकर्मियों ने गुरूवार को डुमरांव विधायक से मिल अपनी समस्याओं का रखा तथा आशंका को दूर करने की गुहार लगाई। सफाईकर्मियों की मांग पर विधायक ने तत्काल जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह को फोन कर फर्स्ट आइडिया के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने को कहा। बता दें कि पहले शिक्षा विभाग के अधिकारियों और बाद में सांसद सुधाकर सिंह के कहने पर अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने भी यह माना है कि फर्स्ट आइडिया का चयन गलत तरीके से हुआ है तथा पूर्व की हाउस कीपिंग एजेंसी जेकेएसबी स्कील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को बिना किसी ठोस वजह के हटा उसके जगह नावानगर, डुमरांव तथा इटाढ़ी प्रखंडो में फर्स्ट आइडिया को वर्क ऑर्डर दे दिया गया था। इस दौरान नियमों को ताक पर रखने में शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी तथा जेकेएसबी को शो-कॉज को कोरम पूरा करने से पहले ही फर्स्ट आइडिया से सहमति पत्र ले लिया गया था। वहीं, शो-कॉज का जबाव मिले बिना ही जेकेएसबी को हटाकर तीन प्रखंडो में उसके जगह फर्स्ट आइडिया को चयनित कर लिया गया था।

डीईओ के जबाव पर उठ रहे है सवाल

बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा न सिर्फ गलत तरीके से फर्स्ट आइडिया का चयन कर लिया गया था, बल्कि स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय द्वारा जांच के दौरान सबसे पहले उक्त एजेंसी को 40 लाख रूपए का भुगतान भी कर दिया गया था। जब यह मामला उठा तथा जिलाधिकारी द्वारा डीईओ से जांच के दौरान भुगतान पर जबाव मांगा गया तो डीईओ ने अपने जबाव में जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया के भुगतान को जायज बताते हुए जिलाधिकारी को जबाव सौंपा है। जिलाधिकारी को दिए जबाव में डीईओ ने जिक्र किया है कि चूकी जांच के दौरान किसी भी स्तर से भुगतान पर रोक नहीं लगाई गई थी, जिस कारण भुगतान किया गया। वहीं, डीईओ ने लिखा है कि फर्स्ट आइडिया को काम के बदले भुगतान किया गया है। अब सवाल उठता है कि जब एजेंसी का चयन ही दोषपूर्ण है तो भुगतान में इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई। वहीं, जानकारों का कहना है कि सफाई एजेंसियों के भरोसे स्कूलों में सफाई की सतही स्थिति एकदम दयनीय है। यदि एजेंसी द्वारा कराए गए सफाई कार्यों की जांच की जाए तो अभी और कई चौकाने वाले मामले सामने आ सकते है।

सरकार के इशारे पर नहीं हो रही है कार्रवाई

इस संबंध में केशव टाइम्स से बातचीत के दौरान डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने बताया कि सरकार के इशारे पर भ्रष्ट व गलत तरीके से चयनित एजेंसी पर कार्रवाई नहीं हो रही है। विधायक ने कहा कि जांच के दौरान यह साफ हो गया है कि फर्स्ट आइडिया का चयन गलत तरीके से किया गया है तथा जांच रिपोर्ट भी जिलाधिकारी को सौंप दी गई है। बावजूद एक पखवाड़े बाद भी उक्त एजेंसी को चयनमुक्त नहीं किया जाना यह दर्शाता है कि यह सब राज्य सरकार के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के सरकार में भ्रष्टाचार को खुलेआम बढ़ावा दिया जा रहा है। हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के मामले में यह साफ हो रहा है।

श्रद्धालुओं ने माता कुष्मांडा की पूजा, मंदिरों में गूंजे जयकारे

केटी न्यूज/डुमरांव



शारदीय नवरात्र के अवसर पर शुक्रवार को मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप माता कुष्मांडा की पूजा-अर्चना श्रद्धा व भक्ति के साथ की गई। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। डुमरांव समेत पूरे जिले के विभिन्न देवी मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी। श्रद्धालुओं ने माता को पुष्प, फल, नारियल, चुनरी व मिठाई चढ़ाकर आशीर्वाद मांगा। वातावरण जय माता दी के नारों से गूंज उठा। पंडितों के अनुसार, माता कुष्मांडा की आराधना से जीवन में सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यता है कि ब्रह्मांड की उत्पत्ति का श्रेय इसी स्वरूप को दिया जाता है। इसीलिए इन्हें आदिशक्ति कहा जाता है। श्रद्धालुओं ने प्रातःकाल स्नान-ध्यान कर विधिवत पूजा की और व्रत रखा। दिनभर मंदिरों के प्रांगण में भक्तों का आना-जाना लगा रहा। मंदिर समितियों की ओर से भक्तों के लिए प्रसाद व जलपान की व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट दिखा। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। माता कुष्मांडा की पूजा को लेकर भक्तों में गहरी आस्था देखी गई। महिलाओं ने सुबह से व्रत रखकर पूजा में भाग लिया और परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। युवाओं व बच्चों में भी उत्साह देखा गया।

नेशनल वॉलंटरी ब्लड डोनेशन डे पर सीआईएसएफ जवानों ने किया रक्तदान, समाज को दिया संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

नेशनल वॉलंटरी ब्लड डोनेशन डे के अवसर पर बक्सर बिजली ताप गृह (एसटीपीएल) परिसर में सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ यूनिट बीटीपीपी के बल सदस्यों ने मानवता की सेवा में अनुकरणीय पहल करते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर जवानों ने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ भाग लेते हुए समाज में रक्तदान की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान सीआईएसएफ यूनिट के अधिकारियों ने बल सदस्यों के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जो जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने में अमूल्य भूमिका निभाता है। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं, बल्कि सामूहिक सामाजिक चेतना को भी मजबूत करती हैं। बल सदस्यों ने रक्तदान करते हुए आम लोगों से भी अपील की कि वे इस मानवीय कार्य में आगे आएं और रक्तदान कर किसी का जीवन बचाने में सहयोग करें। मौके पर मौजूद अधिकारियों और जवानों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी वे ऐसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।





खान-पान की गड़बड़ी व दूषित जल के सेवन से बढ़ रही है पत्थरी की समस्या : डॉ. अरूण कुमार

- पेट रोग विशेषज्ञ (जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन) डॉ अरूण कुमार ने दी जानकारी
- बोले खान पान में सुधार व स्वच्छ जल का सेवन करना है जरूरी

केटी न्यूज/डुमरांव



भोजन में तेल मसालों का अधिक प्रयोग तथा फास्ट फूड के सेवन के साथ ही दूषित जल पीने से गाल ब्लेडर स्टोन की समस्या बढ़ रही है। यह कहना है शहर के सुमित्रा कॉलेज पथ स्थित कुमार अथोर्पेडिक के प्रसिद्ध चिकित्सक तथा पेट रोग विशेषज्ञ (जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन) डॉ अरूण कुमार का। उन्होंने केशव टाइम्स को दिए विशेष भेंट में बताया कि वर्तमान समय में हमारा रहन सहन तथा खान पान तेजी से बदला है। आज के लोग फास्ट फूड के साथ ही भोजन में तेल मसालों का अधिक प्रयोग कर रहे है, जिस कारण पत्थरी की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि इसके अलावे दूषित पेयजल भी इस बीमारी को बढ़ाने में सहायक है, खासकर गंगा के तटवर्तीय इलाकों में जहां पानी में आर्सेनिक व फ्लोराइड की मात्रा अधिक होती है, उस इलाके में दूषित पेयजल ही इस बीमारी का मुख्य कारण है। डॉ. अरूण ने बताया कि गाल ब्लेडर में मुख्यतः चार कारणों से स्टोन बनते है। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों में मुख्यतः यह बीमारी ब्लड रिलेटेड होती है, इसे मेडिकल साइंस में हिमोलाइटिक डिसऑर्डर (खून का टूटना) कहते है। इसके अलावे यदि कोई व्यक्ति अपना वजन कम समय में या यह कहे कि तेजी से घटा ले तो पित्त की थैली में पत्थरी बनने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं, दूषित जल पीने से भी पित्त की थैली की पत्थरी हो सकती है, इसे मिक्स टाइप स्टोन कहते है। उन्होंने बताया कि हमे अपने दिनचर्या व खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। खासकर नानवेज, अधिक तेल मसाले वाले खाद्य पदार्थ तथा फास्ट-फूड खाने से बचना चाहिए तथा शुद्ध पेयजल पीना चाहिए। उन्होंने कहा कि तटीय इलाके के लोगों को आरओ का पानी पीने की सलाह दी। इसके अलावे भी उन्होंने कई अन्य रोगों पर चर्चा की और बताया कि दिनचर्या को नियमित कर तथा संतुलित भोजन लेकर हम कई बीमारियों से बचाव कर सकते है।

चार सौ बच्चियों ने एक साथ डांडियां प्रस्तुत कर बांधा समां

- विजय की कामना के लिए मां दुर्गा की होती है अराधना-डॉ. अर्चना



केटी न्यूज/आरा

शहर के शुभ नारायण नगर विद्यालय शुक्रवार को शारदीय नवरात्र के मौके पर अभिव्यक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चियों द्वारा देवी गीत झिझिया एवं डांडिया नृत्य की बेजोड़ प्रस्तुति दी। विद्यालय की 400 बच्चियों ने ग्रुपों में बंटकर एक साथ डांडिया की प्रस्तुति दी, जिसमें स्कूल की प्राचार्या एवं शिक्षिकाओं ने भरपूर सहयोग दिया। झिझिया एवं डांडिया की प्रस्तुति से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। 'जय माता दी' एवं मां आरण्य देवी की जयकारे से पुरा ईलाका गूंज उठा। इसके पूर्व अभिव्यक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या सह नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह, विद्यालय के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र, नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के सचिव विष्णु शंकर, कोषाध्यक्ष कर्नल राणा प्रताप सिंह, सदस्य राम कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, अवधेश पांडेय, डी. राजन, कृष्ण कुमार, हरेंद्र यादव, ओपी कश्यप, अविनाश कुमार एवं अखिलानंद ओझा आदि ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद मां दुर्गा का पूजन, माल्यार्पण का कार्यक्रम हुआ। मौके पर प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि हर एक बच्ची मां दुर्गा का रूप है। यह रूप उनके अपने संस्कार और संस्कृति से है। उन्होंने कहा कि जब विजय की कामना होती है। तब मां की आराधना होती है। हमारे देश में अनेकता में एकता पाई जाती है। बुराई पर अच्छाई के विजय के रूप में दशहरा पर्व मनाया जाता है। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि मां दुर्गा की आराधना में ही भावना की अभिव्यक्ति है। इसके बाद विद्यालय की छात्राओं का मां दुर्गा की आरती "जय अंबे गौरी".... की प्रस्तुति देकर माहौल भक्ति में कर दिया। इसके बाद विद्यालय की छात्राओं द्वारा देवी गीत "आपन बालक जनी सेवका के सरधा....", झिझियॉ नृत्य "तोहरे भरोसे बरम बाबा"..., माता भजन "बुढ़िया के भेस ध के अइली"..... डांडिया नृत्य "ढ़ोलीरा-ढ़ोलीरा"...., माता भजन "सायर शीतला फूलमती"..... डांडियॉ नृत्य "पूनम की रात में सखियों"....., डांडिया नृत्य "आई गई रात".... में प्रस्तुति देकर माहौल को भक्ति में कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी कला यात्रा 'सर्जन न्यास' के द्वारा विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह को अंग वस्त्र एवं देवी की पेंटिंग देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद विद्यालय की प्राचार्या एवं निदेशक ने कार्यक्रम में अतिथि नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य को अंग वस्त्र एवं डांडियां देकर सम्मानित किया। संचालन वरीय शिक्षक अरविंद कुमार ओझा, छात्रा साक्षी राज एवं सुहानी दुबे ने की। गीत संगीत शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, अमितेश रंजन एवं महेंद्र शर्मा ने की। कोरियोग्राफी नृत्य शिक्षक चिंटू कुमार एवं मंच साज सज्जा कला शिक्षक संजीव कुमार एवं विष्णु शंकर ने किया। माता का भजन "जय अम्बे गौरी".... विद्यालय की छात्रा प्रियांशी सिंह, मीनाक्षी पांडेय, सौम्या सिंह, सलोनी कुमारी, अर्पिता केसरी, अनन्या केसरी, सिक्षम, वंदना कुमारी, अर्चना चौधरी, श्रेयांग्नी, कृतिका कुमारी, प्रतिज्ञा सिंह, तपस्या भारद्वाज, सारिका सिंह, श्रेया, सृष्टि, ज्ञानी, वैष्णवी सिंह एवं अर्पिता कुमारी ने प्रस्तुत किया। वहीं झिझियां "नृत्य तोहरे भरोसे बरम बाबा..." आर्या, शिवांगी, प्रिंसी, निकिता, मनीषा, विद्या, सभ्यता, सभांगी, अशी, संस्कृति, इशिका, सुप्रिया, निधि, अदिति ने प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय में बना दिया। डांडिया नृत्य ढोलीरा-ढ़ोलीरा... को आर्या, प्राची, मानवी, शिवांगी, अदिति, एंजेल, श्रुति, मनीषा ने प्रस्तुत कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिला लाभुकों को 7,500 करोड़ की राशि का अंतरण



केटी न्यूज/आरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत पूरे बिहार राज्य की 75 लाख महिला लाभुकों को डीबीटी के जरिए प्रथम किस्त की राशि अंतरण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्रत्येक महिला लाभुक के खाते में 10,000 की दर से कुल 7,500 करोड़ की राशि का अंतरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए इस योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि माननीय प्रधानमंत्री ने भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के शिव गुरु जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी रीता देवी से सीधा संवाद किया। रीता देवी ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत दिए गए लाभ यथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण, आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख का मुफ्त इलाज,राशन कार्ड, मुफ्त 125 यूनिट बिजली एवं पेंशन राशि वृद्धि – के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है और गाँव-गाँव में उत्सव का माहौल है। प्रधानमंत्री ने भी रीता देवी के आत्मविश्वास एवं कार्यों की सराहना की। भोजपुर जिले में आज के कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री जी ने 1,45,000 से अधिक महिलाओं के खाते में उझळ के माध्यम से प्रथम किस्त की राशि भेजी। शेष लाभुक महिलाओं को आगामी 3 अक्टूबर 2025 को होने वाले अगले कार्यक्रम में राशि हस्तांतरित की जाएगी। समाहरणालय सभागार, भोजपुर में आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, एमएलसी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी प्रखंड कार्यालयों, संकुल स्तरीय संघों एवं ग्राम संगठनों में भी किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जीविका द्वारा विभिन्न माध्यमों से इस योजना की जानकारी व्यापक रूप से दी जा रही है ताकि ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएँ इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार की एक महिला सदस्य को रोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके लिए जीविका महिला ग्राम संगठनों के माध्यम से आवेदन स्वीकार किए गए हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएँ सीधे इस योजना का लाभ ले रही हैं, जबकि जो महिलाएँ समूह की सदस्य नहीं हैं, उन्हें पहले समूह से जुड़ना अनिवार्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके लिए ऑफलाइन आवेदन ग्राम संगठन के माध्यम से और शहरी क्षेत्रों में ऑनलाइन आवेदन नगर पालिका के माध्यम से लिया जा रहा है। आवेदन पूरी तरह निःशुल्क है। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम संगठन एवं शहरी क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा आवेदन का सत्यापन किया जा रहा है। आयकर दायरे में आने वाले या सरकारी नौकरी वाले परिवारों की महिलाओं को छोड़कर सभी पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। आवेदन स्वीकृत होने और जांच पूर्ण होने के उपरांत महिलाओं के खाते में सीधे 10,000 की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। साथ ही, रोजगार के आकलन के आधार पर भविष्य में आवश्यकतानुसार 2 लाख तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता का भी प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी से बोलीं आरा की रीता देवी

15 में जीविका से जुड़लीं अउर पांच गो बकरी खरीदलीं, आज लखपती बन गइलीं



केटी न्यूज/आरा

प्रधानमंत्री भैया और मुख्यमंत्री भैया के हम प्रणाम करअतनी,..हमार नाम रीता देवी हटे..., वर्ष 2015 में हम जीविका के सदस्य बन गइलीं अउर पांच हजार रुपया मिलल, जेकरा से पांच गो बकरी खरीद रोजगार शुरू कइलीं, ओकरा से जे फायदा भइल, ओकरा से 50 को मुर्गी खरीदलीं और अंडा के व्यवसाय कइलीं, अइस हीं व्यवसाय बढ़त गइल अउर हम लखपति दीदी अउर ड्रोन दीदी भी बनल बानी। कोईलवर प्रखंड अंतर्गत दौलतपुर पंचायत के महम्मदपुर गांव की जीविका दीदी का प्रधानमंत्री से संवाद शुक्रवार को चर्चा में रहा। महिला रोजगार सम्मान निधि की पहली किस्त की राशि के अंतरण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वर्चुअल रूप से जीविका दीदी से मुखातिब थे। इसी दौरान समाहरणालय के सभागार में बैठीं रीता देवी ने अपनी भाषा में प्रधानमंत्री को जीविका से अपने जीवन में आए बदलाव के बारे में बताया। प्रधानमंत्री को जीविका देवी की भोजपुरी में रखी गई बात इतनी पसंद आई कि वे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दो बार रीता देवी से संवाद किया और उनकी सराहना की। जीविका दीदी ने बताया कि पहले वह मिट्टी के घर में रहती थी, पीएम आवास योजना से उन्हें पक्का मकान मिल गया है। जीविका दीदी ने पीएम से अपने 4 मिनट 45 सेकंड के संवाद में महिला रोजगार सम्मान निधि से मिलने वाली दो लाख रुपये को लेकर अपनी कार्ययोजना भी बताई। उन्होंने कहा कि इस राशि से वह पोल्ट्री फार्म खोलेंगी और व्यवसाय को आगे बढाएंगी। प्रधानमंत्री को रीता देवी का बात कहने का तरीका इतना पसंद आया कि अन्य जिलों की जीविका दीदी से बात करने के बाद उन्होंने दोबारा 41 सेकंड उनसे बात की। पीएम ने कहा कि बहुत बढ़िया बोलती हैं आप, कहां तक पढ़ाई की आपने? इस पर रीता देवी कहती हैं कि जीविका में आने के बाद ही उन्होंने मैट्रिक से स्नातक तक की

संत एस एन ग्लोबल स्कूल में नवरात्रि महोत्सव का आयोजन, बच्चों ने रामलीला से मनमोहा



केटी न्यूज/रोहतास

स्थानीय शहर के डुमरांव रोड़ स्थित संत एस एन ग्लोबल स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार छात्र-छात्राओं द्वारा रामलीला का मंचन किया गया। अवसर पर विद्यालय के निदेशक प्रकाश आनंद ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर श्रीगणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि श्रीराम के बाल्यकाल से वनगमन और रावण-वध के पश्चात अयोध्या वापसी के हर दृश्य को छात्र-छात्राओं द्वारा बहुत ही मनभावन और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। श्रीराम की धीरता और गंभीरता को कक्षा तृतीया के छात्र आशुतोष आनंद ने अपने अभिनय में बखूबी प्रदर्शित किया। वहीं भावुक और आतुर श्रीलक्ष्मण के किरदार को कक्षा तृतीया के ही छात्र अर्णव और माता सीता की गंभीरता, सात्विकता और धैर्यशीलता को कक्षा तृतीया की छात्रा रीतिका और रावण के अहंकारी व्यक्तित्व को कक्षा तृतीया के ही छात्र कृष्णा ने अपने अभिनय कौशल से जीवंत कर दिया। जबकि स्कूल प्राचार्या पूनम राय ने बताया कि हमारे विद्यालय के छात्र- छात्राओं द्वारा विद्यालय के स्थापना वर्ष से ही नवरात्रि के पावनतम व्रत-पर्व के अवसर पर प्रत्येक वर्ष रामलीला का मंचन किया जाता है। उक्त अवसर पर छात्र-छात्राओं,अभिभावकों और उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक प्रकाश आनंद ने कहा कि यह निर्विवाद रूप सत्य है कि अखिल विश्व में भगवान श्रीराम के जैसा व्यक्तित्व और चरित्र कोई दूसरा देखने को नहीं मिलता। जो कि आज जब हम चरम भौतिक आकांक्षा से पीड़ित कालखंड से गुजर रहे हैं, संयुक्त परिवार बिखर चुके हैं। साथ ही वर्तमान समय में नाभकीय परिवार भी छोटी-छोटी बातों पर टूट रहे हैं, हम छोटे-छोटे त्याग कर पाने में भी असमर्थ हैं, पिता-पुत्र,भाई-भाई,पति-पत्नी के रिश्ते,मित्रता के सम्बंध सभी घायल हो हो चुके हैं तो हमें केवल और केवल श्रीराम सहित चारो भाइयों, माता सीता के चरित्र का स्मरण ही हमें और हमारे सभी रिश्तों को बचा सकता है।

दुर्गा पूजा को लेकर जिलाधिकारी ने की ब्रीफिंग



केटी न्यूज/आरा

जिला दंडाधिकारी- सह-जिलाधिकारी भोजपुर ने दुर्गा पूजा 2025 महोत्सव में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग की गई।विधि-व्यवस्था एवं शांति-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्र, नगर पंचायत, नगर परिषद एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 423 दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है।जिलाधिकारी ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि दुर्गा पूजा के दौरान मंदिरों एवं घरों में कलश स्थापना तथा सार्वजनिक स्थलों पर पूजा समितियों द्वारा प्रतिमा स्थापना और पंडालों का निर्माण किया जाता है। सप्तमी तिथि से पट खोलने के उपरांत प्रत्येक पंडाल, दुर्गा पूजन स्थल, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जो विजयादशमी तक बनी रहती है। इस दौरान विधि-व्यवस्था की दृष्टि से सभी क्षेत्रों, विशेषकर संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील क्षेत्रों पर सतत निगरानी आवश्यक है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी शरारती, उपद्रवी एवं असामाजिक तत्व द्वारा शांति-व्यवस्था भंग करने की स्थिति में उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म – फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप इत्यादि – पर सतत निगरानी रखते हुए इसकी मॉनिटरिंग करने तथा महत्वपूर्ण स्थलों पर वीडियोग्राफी कराने का निर्देश दिया गया। पूजा अवधि के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ प्रबंधन हेतु जिलाधिकारी ने अस्पतालों में चिकित्सकों, शल्यकक्ष कर्मियों, ड्रेसरों एवं जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, नियंत्रण कक्ष में वाहनयुक्त एक मोबाइल चिकित्सा टीम की प्रतिनियुक्ति का भी आदेश दिया गया।विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल आरा/जगदीशपुर, अग्निशमन पदाधिकारी आरा तथा नगर आयुक्त, नगर निगम आरा को अपने-अपने कार्यों को समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।विशेष सतर्कता बरतने के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित स्थायी नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है, जिसका दूरभाष संख्या 06182-248702 है।जिला दंडाधिकारी भोजपुर ने जिलेवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएँ दीं तथा इस पावन पर्व को शांति, सद्भावना एवं भाईचारे के वातावरण में मनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्त्ता सम्मेलन में लोगों का उमड़ा जनसैलाब

केटी न्यूज/रोहतास

एनडीए के सभी घटक दलों का कार्यकर्ता सम्मेलन शुक्रवार को शहर के राजीव गांधी मैदान में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल तथा संचालन भाजपा काराकाट विधानसभा प्रभारी विवेक कुमार और धन्यवाद ज्ञापन जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा ने की। मुख्य अतिथि पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में चौतरफा विकास हो रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ सीधे लाभुकों को मिल रहा है, देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में कहा कि उनकी इच्छा शक्ति व ईमानदारी अतुलनीय है। इनके शासन काल में बिहार के सभी वर्गों का विकास हुआ है। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को साकार करने वाले पहले व्यक्ति नीतीश कुमार ही है। कार्यक्रम सम्मेलन को लोजपा के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडेय,पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह, पूर्व मंत्री संतोष निराला, काराकाट पूर्व सांसद महाबली सिंह, काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, जदयू नेत्री अरुणा देवी, जदयू नेता जगनारायण यादव, डॉ. रबिंद्र सिंह,रालोमो जिलाध्यक्ष कपिल कुमार, हम जिलाध्यक्ष कमलेश पासवान, लोजपा जिलाध्यक्ष कमलेश राय,अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री भगवान परमार सहित कई लोगों ने संबोधित किया। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्रा, भाजपा नेता हरेंद्र हरियाली, प्रदेश कार्य समिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य, प्रदेश कार्य कारिणी सदस्य किरण प्रभाकर, प्रदेश कार्य कारिणी सदस्य अरविंद पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आरएलएम नेता किशोर कुशवाहा,उमेश कुमार,भाजपा जिला महामंत्री विवेक सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष संजय वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष आशुतोष सिंह, जयशंकर पटेल, नगर अध्यक्ष रामाशंकर सिंह, प्रखंड अध्यक्ष रामनारायण चंद्रवंशी, जिला सचिव रवि पासवान, बिक्रमगंज प्रखंड अध्यक्ष सूरज पासवान, आर.एल.एम के बिक्रमगंज प्रखंड अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा, बिक्रमगंज नगर अध्यक्ष मंटू कुशवाहा, किरण प्रभाकर, संझौली प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, भाजपा के बिक्रमगंज प्रखंड अध्यक्ष धनंजय सिंह, गौतम तिवारी, काराकाट मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, ललित मोहन सिंह, गोराडी मंडल अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, सम्मेलन में महिलाओं व पुरुषों की संख्या काफी रही।

एक नजर

विज्ञान और क्विज प्रतियोगिता में मुंजी विद्यालय के छात्रों ने बिखेरा जल्वा

काराकाट । प्रखंड क्षेत्र के बीआरसी काराकाट में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता हुई आयोजित। जिस प्रतियोगिता में सीआरसी उच्च माध्यमिक विद्यालय,मुंजी के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने किया सराहनीय प्रदर्शन। आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 6 से 8 वर्ग के छात्रा-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता अवसर पर छात्र खालिदा खानम प्रथम स्थान, कक्षा 9 से 12 वर्ग में क्विज प्रतियोगिता में छात्र सूरज कुमार उपविजेता रहे। प्रतियोगिता में चयनित दोनों छात्रों को उच्च माध्यमिक विद्यालय मुंजी सीआरसी के तत्वाधान में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। अवसर पर सीआरसी संचालक और प्रधानाध्यापक अजय कुमार शर्मा द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को नोटबुक व कलम देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर सीआरसी संचालक प्रमोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि बीआरसी काराकाट के तत्वधान में आयोजित प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं में बेहतर शैक्षणिक माहौल को बनाने में योगदान देगा। उक्त मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मो. कलीमुद्दीन ने बताया कि मुंजी विद्यालय के छात्र-छात्रा शिक्षा के क्षेत्र में पूरे रोहतास में अपना परचम लहरा रहें हैं। जिसमें विद्यालय के शिक्षकों का उनके शिक्षा के प्रति सराहनीय योगदान देखा जा रहा हैं। अवसर पर बीईओ को छात्र-छात्राओं ने अभिनंदन कर उनका स्वागत किया। जिसके उपरांत उन्होंने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कमाना की। मौके पर रवि कुमार,किशु सिंह सहित विद्यालय समस्त शिक्षक और शिक्षकेतर उपस्थित थें।

मुख्यमंत्री बिजली योजना तहत शून्य बिल विद्युत विपत्र उपभोक्ताओं के बीच वितरण

काराकाट । मुख्यमंत्री 125 यूनिट फ्री बिजली योजना तहत उपभोक्ताओं की सुविधा और जागरूकता के उद्देश्य से 25 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है । इस दौरान विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर शिविरों का आयोजन कर उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत मिल रही 125 यूनिट निःशुल्क बिजली तथा बिजली से संबंधित सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है । कंपनी मुख्यालय द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने सभी कनीय व सहायक विद्युत अभियंताओं को निर्देश दिया है कि उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से जुड़ी जानकारी,बिल विवाद का निपटारा,बिल सुधार,नए कनेक्शन की प्रक्रिया,शिकायत निवारण,विद्युत सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया जाय । उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो,यह सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है । आगे बताया गया कि 26 सितम्बर से 28 सितम्बर तक सभी गांव,टोले और मोहल्लों में मोबाइल वैन और माइकिंग के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान उपभोक्ताओं को विद्युत सुरक्षा,योजनाओं की जानकारी और साइबर ठगी से बचाव संबंधी संदेश भी दिए जाएंगे। बता दें कि 26 सितम्बर को सभी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल कार्यालय स्तर पर शून्य विपत्र वाले उपभोक्ताओं को विद्युत विपत्र,पैम्पलेट और मुख्यमंत्री का संदेश उपलब्ध कराया गया तथा 27 सितम्बर को सभी जिला मुख्यालय एवं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल कार्यालयों में शिविर लगाए जाएंगे व 125 यूनिट निःशुल्क बिजली वाले लगभग 50 से 100 उपभोक्ताओं को बिल वितरण किये जायेंगे। सभी उपभोक्ताओं को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के विषय में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है । राज्य सरकार की ओर से सभी कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के छतों पर निःशुल्क सौर संयंत्र लगाए जाएंगे। आयोजित शिविर के दौरान इसके लिए भी उपभोक्ता आवेदन कर सकते हैं।

दुर्गा पूजा पंडाल में श्रीमद्भागवत कथा और रामकथा का आयोजन

कोचस । प्रखंड क्षेत्र के कटियारा गांव में दशहरा पर्व के पावन अवसर पर दुर्गा पूजा पंडाल में आ योजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा व रामकथा में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। अयोध्या धाम से पधारे पूज्य श्री रंजीतानन्द जी महाराज अपने अमृतमय वाणी से गीत-संगीत के माध्यम से कथा का प्रवचन कर रहे हैं। उन्होंने नैमीषारण्य, श्रीकृष्ण जन्म, प्रह्लाद चरित्र, वृंदावन लीला, अश्वत्थामा प्रसंग सहित श्रीराम जन्म से लेकर लंका विजय तक की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। श्री दुर्गा पूजा समिति, कटियारा के अध्यक्ष मंटू सिंह ने बताया कि भव्य पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है। समिति कई वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन करती आ रही है। महाराज श्री रंजीतानन्द जी की कथा श्रवण कर क्षेत्रवासी, नगरवासी और आसपास के श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे हुए हैं।

विद्यालय में वितरण टैबलेट से बच्चों की पढ़ाई और एमडीएम की होगी मॉनिटरिंग

कोचस । बिहार सरकार शिक्षा विभाग की ओर से प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों को दो-दो टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। टैबलेट का वितरण बीआरसी परिसर में किया गया। सीआरसी से जुड़े विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षकों को निर्धारित समय पर बुलाकर टैबलेट सौंपा गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविन्द कुमार ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों को दो-दो टैबलेट दिए गए हैं। वहीं पुराने प्लस-टू विद्यालयों को तीन-तीन टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि टैबलेट को लेकर सरकार ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सबसे पहले टैबलेट में यदि कोई ऐप पहले से मौजूद है तो उसे बीआरसी में प्रतिनियुक्त शिक्षकों से डिलीट कराना होगा। किसी शिक्षक को अपने स्तर से इसमें छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने इस टैबलेट में केवल ई-शिक्षा कोर्स ऐप ही रहेगा। इसकी निगरानी पटना स्तर से की जा रही है। टैबलेट के माध्यम से शिक्षक की उपस्थिति, बच्चों की पढ़ाई की निगरानी, मिड-डे मील, चेतना सत्र का फोटो और बच्चों का पूरा डाटा अपलोड करना होगा।

बिहार में बना ग्रामीण सड़कों का मजबूत नेटवर्क, राज्य के विकास को मिली नई रफ्तार



एजेंसी। पटना

पिछले 20 वर्षों में बिहार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे न केवल राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी कम हुई है, बल्कि ग्रामीण सड़कों ने गांव से गांवों की दूरी भी मिटा दी है। ग्रामीण सड़कें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है।

निगरानी की टीम ने ट्रेनी दरोगा को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

पटना। पटना के बहादुरपुर थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार को निगरानी विभाग की टीम ने सात हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, ढरकअजय कुमार ने एक मामले में विक्रम ज्योति नामक व्यक्ति से 7,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस संबंध में विक्रम ज्योति ने निगरानी विभाग को लिखित शिकायत सौंपी थी। शिकायत की पुष्टि के बाद निगरानी विभाग ने जाल बिछाया और अजय कुमार को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। जैसे ही निगरानी की टीम ने बहादुरपुर थाने में पहुंचकर अजय कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, वहां थाने के अन्य पुलिसकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम अजय कुमार को लेकर निगरानी न्यायालय पहुंची, जहां उन्हें पेश किया जाएगा। इस संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत कांड संख्या 21/25 दर्ज की गई है। निगरानी विभाग के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार दराद ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है और कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नीतीश की महिला रोजगार योजना से बदली प्रदेश की तस्वीर

75 लाख महिलाओं को मिला 10-10 हजार



एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई महिला रोजगार योजना बिहार की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का नया दरवाजा खोल रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए शुरूआती 10 हजार रुपये की सहायता राशि और आगे कारोबार के विस्तार के लिए 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आर्थिक मदद देने का प्रावधान है। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज प्रखंड की निर्मली देवी कहती हैं कि इस योजना से हमें आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला है। मुझे मिली राशि से मैं गाय पालन शुरू करूंगी और गांव की अन्य महिलाओं को भी इस काम से जोड़कर मदद करूंगी।नालंदा जिले के अनंतपुर गांव की अनीता देवी बताती हैं कि मशरूम व्यवसाय से शुरू हुई मेरी यात्रा अब दाल उद्यम तक पहुंचेगी। इस राशि से मैं अरहर, मसूर और मूंग की दाल का व्यापार शुरू करूंगी। इससे न केवल मेरी प्रगति होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। वहीं मुंगेर जिले की निशा देवी 10 हजार की राशि से फैशन बुटीक खोलने जा रही हैं। उनका कहना है कि अब गांव की महिलाओं को डिजाइनर कपड़ों के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त ट्रांसफर की। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस पहल से महिलाओं में नया आत्मविश्वास आया है। पहली किस्त मिलने के बाद कई महिलाओं ने कहा कि अब हम अपने गांव में ही व्यवसाय शुरू करेंगे और दूसरों को भी रोजगार देंगे। नीतीश सरकार की यह योजना न सिर्फ महिला उद्यमिता को नई गति दे रही है बल्कि बिहार में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की मजबूत नींव भी रख रही है।

बिहार की बहनों को आत्मनिर्भर बना रहा है

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री का विकासपरक दृष्टिकोण मिलकर बिहार की बहनों को आत्मनिर्भर बना रहा है। यह योजना बिहार में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करेगी। इससे परिवार और समाज दोनों का कायाकल्प होगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति पर चलते हुए जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्य कर रही है। यही कारण है कि बिहार की जनता एनडीए को फिर से सत्ता में लाने के लिए पूरी तरह से उत्साहित है।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना कब शुरू हुई

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं में स्वरोजगार को प्रेरित करने के लिए 29 अगस्त, 2025 को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का ऐलान किया था। इसके बाद इसकी नोटिफिकेशन जारी हुई और फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीएम नीतीश ने कहा था कि महिलाओं के खाते में सितंबर में ही पैसा आएगा और आज 26 सितंबर को 75 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये भेज दिए गए।

बिहार की महिलाओं के लिए बड़े काम की है ये 3 योजनाएं

पीएम उज्ज्वला योजना : इस योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन और गैस सिलेंडर पर सब्सिडी मिल सकती है। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना:पहली बार मां बनने पर सरकार 5000 देती है। दूसरी बार अगर बेटी होती है तो फिर से 6000 मिलते हैं। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना: बिजनेस के लिए 10 लाख की मदद, 5 लाख हो जाएंगे और बाकी बिना ब्याज लौटाना होगा।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के लिए जरूरी होंगे ये कागज

आवेदन फॉर्मबिहार के स्थायी पते वाला आधार कार्डबैंक पासबुक की कॉपी (जिसमें क्कहउ उङ्घीं और ब्रांच का नाम हो)पासपोर्ट साइज फोटोग्राफमोबाइल नंबरसादे कागज पर हस्ताक्षर की स्कैन कॉपीजीविका समूह से जुड़ने के लिए आवेदन फॉर्मग्राम संगठन की ओर से परिवार की जानकारी वाला फॉर्मजो काम शुरू करना है, उसकी जानकारी

पटना में प्रियंका गांधी ने 2000 महिलाओं से की बात, कहा-

आपको नीतीश सरकार को हराना होगा



एजेंसी। पटना

कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री और सांसद प्रियंका गांधी दूसरी बार बिहार दौरे पर आ चुकी हैं। पटना के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम में वह 2000 महिलाओं के संवाद किया। इन महिलाओं में मनरेगा मजदूर, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविकाएं, आशा वर्कर, वकील और डॉक्टर महिलाएं शामिल थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिलाओं से अपील करते हुए कह कि इस चुनाव में आपको सीएम नीतीश कुमार और भाजपा की सरकार को हराना होगा। उन्होंने एनडीए सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पर भी हमला बोला। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस योजना को चुनावी लालच करार देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि चुनाव से ठीक पहले इन्हें महिलाओं की याद क्यों आ गई? पिछले 20 साल से सरकार में कौन है? इन बीस साल में महिलाओं के लिए इन्होंने क्या किया? पिछले 20 साल तक नीतियां किसने बनाईं? तो फिर पिछले 20 साल में आपको 10,000 रुपये क्यों नहीं दिए? सरकार ने यह भी नहीं बताया कि यह राशि हर महीने मिलेगी या नहीं। यह भी क्यों नहीं बताया कि अब आपकी कीमत सिर्फ 10,000 रुपये रह गई है? प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि सरकार ने अभी तो राशि की घोषणा कर दी है, क्या ये राशि हर महीने दी जाएगी? किसको दी जाएगी? क्या उन्होंने कुछ बताया है? या सिर्फ वोट के समय महिलाओं को पैसे का लालच देकर मतदान करवाना इनका मकसद है? यह सब महिला मतदाताओं को भ्रमित करने और लुभाने की एक साजिश है।

महिला मतदाताओं को भ्रमित करने और लुभाने की एक साजिश है

प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि सरकार ने अभी तो राशि की घोषणा कर दी है, क्या ये राशि हर महीने दी जाएगी? किसको दी जाएगी? क्या उन्होंने कुछ बताया है? या सिर्फ वोट के समय महिलाओं को पैसे का लालच देकर मतदान करवाना इनका मकसद है? यह सब महिला मतदाताओं को भ्रमित करने और लुभाने की एक साजिश है। लेकिन, महिलाएं अब सब समझती हैं और अब झूठे वादों में नहीं आने वालीं हैं। अपने संबोधन के बाद वह मोतिहारी के लिए रवाना हो गईं। यहां अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करेंगी।

मोतिहारी में जनसभा को करेंगी संबोधित

पटना में संवाद के बाद प्रियंका गांधी शुक्रवार दोपहर मोतिहारी पहुंचेंगी। पुलिस लाइन में उनका हेलीकॉप्टर उतरेगा। वहां से वह बंद गाड़ी में गांधी मैदान स्थित सभा स्थल जाएंगी, जहां वे कांग्रेस की ह्यहर घर अधिकार रैलीह्ल को संबोधित करेंगी। इस रैली में 20 हजार से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने का दावा किया गया है।

वर्ल्ड क्लास बनेगा पटना का संजय गांधी जैविक उद्यान, बिहार सरकार ने शुरू की बड़ी पहल

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य के प्रमुख चिड़ियाघर संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) को और अधिक आकर्षक, आधुनिक एवं पर्यटक-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से आम नागरिकों, विशेषज्ञों एवं पर्यटकों से बहुमूल्य सुझाव आमंत्रित किए हैं। संजय गांधी जैविक उद्यान वन्यजीव संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। यहां बाघ, हाथी, गैंडा (राइनो), चीतल सहित कई दुर्लभ प्रजातियों का सफल प्रबंधन और संरक्षण किया जा रहा है। यही कारण है कि हर वर्ष लगभग 20 लाख से अधिक पर्यटक यहां आकर बिहार की जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव करते हैं। विभाग का मानना है कि पर्यटकों की



बढ़ती संख्या और उनकी अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उद्यान में आधुनिक सुविधाओं का विकास आवश्यक है। इसमें पर्यावरण-अनुकूल ढांचे, डिजिटल सुविधाएं, बच्चों एवं शोधकताओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, स्वच्छता और हरियाली पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी कार्य होगा। जन सुझाव आमंत्रण की इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों और विशेषज्ञों को उद्यान विकास में सहभागी बनाना है ताकि उनकी राय से योजनाओं को और अधिक उपयोगी बनाया जा सके। सुझाव भेजने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक नागरिक अपने सुझाव विभाग को ईमेल efd.bih.feed@gmail.comपर या मोबाइल संख्या 8114593954 पर भेज सकते हैं।

बूढ़ी गंडक नदी किनारे मिला पंच सदस्य का शव

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हैवतपुर पंचायत के कोरिया गांव वार्ड नंबर 4 के पंच सदस्य रामवृक्ष चौधरी (45 वर्ष) का शव बूढ़ी गंडक नदी के किनारे संदिग्ध हालात में बरामद किया गया। शव मिलने के बाद से ही पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई है और लोग इसे लेकर तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रामवृक्ष चौधरी सोमवार सुबह किसी जरूरी काम से बेगूसराय न्यायालय गए थे। दिनभर के बाद भी जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिवार चिंतित हो गया। अगले दिन सुबह ग्रामीणों ने उनका शव गंडक नदी किनारे देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। शुरूआती अंदेशा जताया जा रहा है कि मृतक को रस्सी से बांधकर नदी के पास फेंका गया होगा।



बिहार के छह प्रमुख शहरों में बनेगा गैस आधारित शवदाह गृह, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने की घोषणा

एजेंसी। पटना

बिहार में पारंपरिक शवदाह पद्धति से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने और शवदाह स्थलों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने कोयम्बटूर स्थित ईशा फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. इस समझौते के तहत बिहार के छह शहरों (पटना, गया, छपरा, सहरसा, भागलपुर और बेगूसराय) में गैस (एलपीजी) आधारित शवदाह गृह स्थापित किए



जाएंगे.इस परियोजना के लिए राज्य सरकार ने प्रत्येक शहर में एक-एक एकड़ भूमि सिर्फ 1 रुपये की टोकन राशि पर 33 वर्षों की लीज पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष 25 सितंबर को नगर विकास एवं आवास विभाग और ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. सम्राट चौधरी ने बताया कि वर्तमान में अधिकांश नगर निकायों द्वारा संचालित शवदाह स्थलों पर परंपरागत रूप से लकड़ी से अंतिम संस्कार होता है. इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और बड़ी मात्रा में लकड़ी की खपत से वन सम्पदा पर दबाव पड़ता है. कुछ स्थानों पर विद्युत शवदाह गृह भी बने हैं, लेकिन उनके रखरखाव और शव यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं की कमी गंभीर समस्या बनी रहती है. उन्होंने कहा कि इसी पृष्ठभूमि में राज्य मंत्रिपरिषद ने 9 सितंबर 2025 को हुई बैठक में निर्णय लिया कि बिहार के छह प्रमुख शहरों में गैस आधारित शवदाह गृह बनाने और उनके संचालन की जिम्मेदारी ईशा फाउंडेशन को दी जाएगी. तमिलनाडु में करीब 15 गैस आधारित शवदाह गृह हो चुके हैं स्थापित ईशा फाउंडेशन इससे पहले तमिलनाडु में करीब 15 गैस आधारित शवदाह गृह स्थापित कर चुका है, जो पर्यावरण अनुकूल तकनीक और आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं. संस्था योग, ध्यान और सामाजिक कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यात है।

सुभाषितम्

उत्कंठित व्यक्तियों की उत्कंठा समय की अपेक्षा करके नहीं होती

- कर्णपूर

न्यायालयों से नहीं मिल रहा न्याय

भारत में न्यायालयों से नागरिकों को न्याय नहीं मिल रहा है? न्यायालय अब अन्याय के प्रतीक के रूप में हैं। सरकार जिस तरह से नियम कायदे और कानून बना रही है। उसके कारण मुकदमों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। भारत की न्यायालयों में सबसे बड़ी मुकदमेबाज सरकार है। सिविलकोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बाद विभिन्न न्यायाधिकरण, नियामक आयोग, लोक अदालत जैसे न्याय के कई द्वार आम जनता के लिए खोल दिए गए हैं। लेकिन यह सभी नागरिकों के लिए एक बड़ी मुसीबत बने हुए हैं। तारीख पर तारीख मिलती है, समय पर न्याय नहीं मिलता है। 2024 में लोक अदालत में 10.45 करोड़ मामले लंबित थे 2023 में 8.53 करोड़ तथा 2022 में 4.19 करोड़ मुकदमे सुनवाई के लिए आए थे। दावा है, लोक अदालत में अभी तक 23 करोड़ मुकदमों का निपटारा किया गया है। सुप्रीमकोर्ट, हाईकोर्ट और जिले की अदालतों में अभी भी 5.3 करोड़ मामले लंबित हैं। विभिन्न ट्रिब्यूनल, नियामक आयोग और अन्य न्यायाधिकरणों की बात अलग है। उनके बारे में कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। न्यायालयों में फर्जी मुकदमों की बाढ़ आई हुई है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में अब शपथ पत्र का कोई औचित्य नहीं रह गया है। झूठा शपथ पत्र देने पर सरकार पर कभी कोई कार्रवाई हुई हो, ऐसा कभी दिखता नहीं है। हां कोई कमजोर व्यक्ति यदि गलत शपथ पत्र दे देता है, तो उसको जरूर हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट से दंडित कर दिया जाता है। जेल के 70 फीसदी कैदी अंडर ट्रायल में जेलों में बंद है। आम आदमी की बहुत बड़ी कमाई मुकदमे बाजी में खर्च हो रही है। पुलिस, वकील, जज और पेशी में आने जाने में आदमी अपने जीवन की कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा खर्च कर रहा है। उसके बाद भी जैसे एक बार न्यायालय का भूत लग जाता है, तो वह आसानी से पीछा नहीं छोड़ता है। एक बार पेशी शुरू होती है, तो कई वर्षों तक खत्म नहीं होती है। अदालत में सबसे बड़ी मुकदमे बाद अब सरकार बन गई है। विद्युत मंडल, नगर निगम, राज्य सरकारें पुलिस के मुकदमे अदालते में पहुंच रहे है। अदालत में जजों की संख्या मुकदमों के अनुसार तय नहीं होती है। जो स्वीकृत पद हैं, उनमें भी 30 से 40 फीसदी पद हमेंशा खाली पड़े रहते हैं। सही मायने में सरकार जो नियम कायदे कानून बनाती है, वही मुकदमों को बढ़ाने वाले होते हैं। नियम एवं कानून में इतने बट किंतु परंतु रहते हैं, जिसके कारण भ्रष्टाचार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। न्यायालयों में लंबे समय तक न्याय नहीं मिलने के कारण अब लोग अन्याय का शिकार हो रहे हैं। आम आदमी के मौलिक अधिकारों को लगातार सीमित किया जा रहा है। हर क्षेत्र में सरकारी दखलदांजी बढ़ती चली जा रही है। न्यायालय मैं बैठे जज असंवेदनशील हैं। न्यायालयों में भी भ्रष्टाचार बढ़ गया है। जमानत और स्टे के रूप में भारी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी देखने को मिल रही है। जिसके कारण लोग कहने लगे हैं, न्यायालय जाने से न्याय तो मिलता नहीं है। इसलिए जो हो रहा है, उसे या तो स्वीकार कर लो, लड़ोगे तो जो है वह भी खत्म हो जाएगा। हाल ही में राहुल गांधी ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा, वोट चोरी के मुद्दे पर वह सबूत के साथ अपना पक्ष नेता प्रतिपक्ष के रूप में रख चुके हैं। देश में अन्य संवैधानिक संस्थाएं हैं, उनकी भी जिम्मेदारी है, वह भी अपने कर्तव्य का पालन करें। यह कहकर एक तरह से उन्होंने न्यायपालिका और अन्य जांच एजेंसियों को निशाने पर लिया। श्रीलंका बांग्लादेश और नेपाल में न्यायपालिका के प्रति लोगों का गुस्सा फूटा है। न्यायपालिका पर जब तक आस्था और विश्वास रहेगा तभी तक वह अस्तित्व में रहेंगे। जिस तरह से न्यायपालिका सरकार और पूंजीपतियों के हित में काम करती हुई दिख रही हैं। आम आदमी पूरी तरह से न्याय के मंदिर में उपेक्षित है। 5-5 साल से बिना किसी चार्जशीट के युवा और छात्र जेलों में बंद है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट।

सोनम वांगचुक भी हैं बेवफा? हिंसा का भड़कना अप्रत्याशित

- बीपी गौतम



भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है। 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोगों की कुछ मांगें रही हैं, जिनको लेकर गृह मंत्रालय ने सकारात्मक व्यवहार किया और वार्ता के लिये निमंत्रण दिया, साथ ही बैठक की तिथि भी तय हो गई, इस सबके बीच में हिंसा का भड़कना अप्रत्याशित है, इसलिये हिंसा के पीछे षडंयत्र होने की बात को स्पष्ट नकारा नहीं जा सकता। अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक भी अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में हाल ही में हुये जेन- जेड के विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुये लोगों को भ्रमित ही कर रहे थे। सोनम वांगचुक ऊजार्वान व्यक्तित्व के स्वामी हैं, इसीलिये उनसे प्रेरित होकर लोकप्रिय फिल्म में फुंगसुक वांगडू की भूमिका तय की गई थी लेकिन, हाल-फिलहाल के घटनाक्रम को देखा जाये तो, सोनम भी बेवफा ही दिखाई दे रहे हैं, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा घटना

लद्दाख में चल रहा सोनम वांगचुक का अनशन बुधवार को हिंसक आंदोलन में बदल गया। तोड़-फोड़, आगजनी और पथराव के बीच भीड़ ने भाजपा कार्यालय फूंक दिया। यहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। झड़पों में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 30 पुलिस कर्मियों सहित 80 से अधिक लोग घायल हुये हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प के बाद चार दिवसीय वार्षिक लद्दाख महोत्सव अंतिम दिन बुधवार को रद्द कर दिया गया है। चार दिवसीय लेह महोत्सव रविवार को शुरू हुआ था, इसके समापन समारोह में उप-राज्यपाल कवीन्द्र गुप्ता को सम्मिलित होना था।

बंद के दौरान भड़की थी हिंसा

हिंसा लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा की ओर बुलाये गये बंद के दौरान हुई। 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद एकजुटता दिखाने को बंद का आह्वान किया गया था। मंगलवार को त्सेरिंग अंगचुक (72) और ताशी डोल्मा (60) की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बंद के आह्वान पर लेह शहर में बाजार दुकानें बंद रहीं, बड़ी संख्या में लोग एनडीएस स्मारक मैदान में जमा हो गये थे, इस दौरान छठी अनुसूची और राज्य के समर्थन में नारे लगाते हुये शहर की सड़कों पर मार्च निकाला जाने लगा लेकिन, स्थिति तब बिगड़ गई, जब कुछ लोगों ने भाजपा और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव शुरू कर दिया। कार्यालय परिसर और एक सरकारी भवन के फर्नीचर और कागजात में आग लगा दी। एक समूह ने कई वाहनों को भी फूंक दिया। हालात काबू करने के लिये पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, गोलीबारी भी करनी पड़ी, कई घंटों की भीषण झड़प के बाद स्थिति काबू में आ सकी।

यह हैं प्रमुख मांगें

अनशनकारियों की मांग है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये और छठी अनुसूची का विस्तार किया जाये। संविधान की छठी अनुसूची शासन, राष्ट्रपति व राज्यपाल की शक्तियों, स्थानीय निकायों के प्रकार, वैकल्पिक न्यायिक तंत्र और स्वायत्त परिषदों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली वित्तीय शक्तियों के संदर्भ में विशेष प्रावधान करती है। छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम की जनजातीय आबादी के लिये है।

सकारात्मक वातावरण में भड़क गई हिंसा

लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है, इसलिये इसे अस्थिर करने का सुनियोजित षड्यंत्र कहना अनुचित नहीं होगा। हालांकि 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोग अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, इनमें स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियां बड़ा मुद्दा है। भाषा और संस्कृति के संरक्षण की बात की जा रही है। लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाये जाने एवं संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की भी मांग रही है, इन सबको लेकर ही सोनम वांगचुक संघर्ष करते रहे हैं और हाल-फिलहाल भूख हड़ताल पर बैठे थे, इस बीच लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक मोर्चा (केडीए) के प्रतिनिधियों की केंद्रीय गृह मंत्रालय से छः अक्तूबर को बैठक तय हो गई, सोनम वांगचुक के इस बैठक को तय तिथि से पहले किये जाने के अनुरोध को गृह मंत्रालय ने सकारात्मक लिया और लद्दाख के प्रतिनिधियों को 25 सितंबर को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया था, इस बीच हिंसा भड़क गई, इसलिये माना जा रहा है कि हिंसा के पीछे षड्यंत्र हो सकता है।

गृह मंत्रालय ने यह कहा

गृह मंत्रालय की ओर से बयान जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि सोनम वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया था। हिंसक घटनाओं के बीच, उन्होंने अपना उपवास तोड़ा और स्थिति को नियंत्रित करने के लिये कोई व्यापक प्रयास किये बिना एम्बुलेंस से अपने गांव चले गये। सोनम वांगचुक द्वारा 10 सितंबर 2025 को छठी अनुसूची और लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की गई थी। भारत सरकार इन्हीं मुद्दों पर एपेक्स बॉडी लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समितियों के औपचारिक माध्यम से और नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकों के माध्यम से उनके साथ कई बैठकें हुईं। बातचीत की प्रक्रिया ने लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण को 45% से बढ़ाकर 84% करने, परिषदों में महिलाओं के लिये एक-तिहाई आरक्षण प्रदान करने और भोटी व पुर्गी को आधिकारिक भाषा घोषित करने जैसे अभूतपूर्व परिणाम दिये हैं, साथ ही 1800 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की गई। हालांकि कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित लोग उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के अंतर्गत हुई प्रगति से खुश नहीं थे और संवाद प्रक्रिया को विफल करने का प्रयास कर रहे थे। उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अगली बैठक 6 अक्तूबर को निर्धारित की गई है, जबकि लद्दाख के नेताओं के साथ 25 और 26 सितंबर को भी बैठकें आयोजित करने की योजना है। गृह मंत्रालय का कहना है कि जिन मांगों को लेकर सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर थे, वह एचपीसी में चर्चा का अभिन्न अंग हैं। कई नेताओं द्वारा भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह करने के बावजूद, उन्होंने भूख हड़ताल जारी रखी और अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में जेन- जी के विरोध प्रदर्शनों का भड़काऊ उल्लेख करके लोगों को गुमराह किया। गृह मंत्रालय ने कहा कि 24 सितंबर को सुबह लगभग 11.30 बजे उनके भड़काऊ भाषणों से उकसाई गई भीड़ भूख हड़ताल स्थल से निकली और एक राजनीतिक दल के कार्यालय के साथ-साथ लेह के सीईसी के सरकारी कार्यालय पर हमला किया।

विश्व पर्यटकों के लिए अनंत संभावनाओं का देश है भारत

- ललित गर्ग



विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्त्रोतों में ह्यपर्यटन और हरित निवेशह्न या ह्यपर्यटन और सतत परिवर्तनह्न बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है। भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। ह्यइनक्रेडिबल इंडियाह्न और ह्यदेखो अपना देशह्न जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने ह्यभारत जोड़ो यात्राह्न, ह्यदेखो अपना देशह्न अभियान और ह्यप्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किटह्न जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और ह्यभारतमालाह्न जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ओबीसी और ईबीसी वोटों की लामवंदी की कवायद

- कुमार कृष्णन

पिछले 20 सालों में जो नीतीश की खूंटा गाड़ राजनीति में पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग काफी अहम रहे हैं।राहुल गांधी भी अपनी यात्रा के दौरान इसी वर्ग को साधने की कोशिश की है। पर नीतीश राजनीति के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं। बिहार में सत्ता की चाबी ओबीसी और ईबीसी के हाथों में ही मानी जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए अपने अभियान की शुरूआत करते हुए कांग्रेस ने तथाकथित वोट चोरी , मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और बढ़ते आर्थिक संकट को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमला बोला और कहा कि आगामी चुनाव सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत का प्रतीक होंगे। विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी केंद्र की आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलिंगनात्मक नीति उल्टी पड़ गई है, जिससे भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गया है और अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में असमर्थ हो गया है। पटना स्थित पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में किया गया। यह स्वतंत्रता के बाद बिहार में पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था की पहली बैठक थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए - एक राजनीतिक और दूसरा बिहार के मतदाताओं से अपील। बैठक में पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, कोषाध्यक्ष अजय माकन, महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव,जयराम रमेश और सचिन पायलट तथा बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में खड़गे ने कहा कि भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है और उन्हें बोझ समझती है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव केंद्र में मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत होगी। उन्होंने वोट चोरी , आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और कमजोर करने जैसे कई मुद्दों पर भाजपा पर सीधा हमला बोला।खड़गे ने कहा कि विभिन्न राज्यों से प्राप्त खुलासों पर सवालों के जवाब देने के बजाय, चुनाव आयोग हमसे हलफनामे की मांग कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार की तर्ज पर अब पूरे देश में लाखों लोगों के वोट हटाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी का मतलब दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, कमजोरों और गरीबों के राशन, पेंशन, दवा, बच्चों की छात्रवृत्ति और परीक्षा शुल्क की चोरी है।बिहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए खड़गे ने कहा, एनडीए गठबंधन के भीतर आंतरिक कलह अब खुले तौर पर दिखाई दे रही है। नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से रिटायर कर दिया है। भाजपा अब उन्हें एक बोझ मानती है। उन्होंने कहा, 2025 का विधानसभा चुनाव न केवल बिहार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन की उल्टी गिनती और अंत की शुरूआत होगी।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन अच्छा गुजरने वाला है। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलने वाला है।

वृषभ आज कार्यक्षेत्र में आपको कोई महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरा कार्य मिल सकता है।

मिथुन किसी भी जटिल कार्य को करने का आपका रचनात्मक तरीका आपको नई पहचान दिलाएगा।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में काम के दबाव का सामना करना पड़ सकता है। छुट्टी भी लेनी पड़ सकती है।

सिंह ऐसे में अक्सर ये लोग कार्यक्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास करते रहते हैं।

कन्या वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी भी प्रकार के अनावश्यक तर्क-वितर्क करने से बचना होगा।

तुला सुबह से ही व्यक्तिगत जीवन के साथ कार्यक्षेत्र में कुछ अजीब-सा माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक आज अचानक आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

धनु निवेश करने से बचना होगा। यह कदम पहले हुए नुकसान की भरपाई करने का मौका देगा।

मकर उत्साह से भरा होगा। छुट्टी के बावजूद आपका मन अन्य कार्यों को निपटाने के लिए प्रेरित करेगा।

कुंभ दिन आराम के लिए उत्तम रहेगा। लंबे समय तक आपने जो कड़ी मेहनत और संघर्ष किया है।

मीन आज धन लाभ होता हुआ दिख रहा है। धन कमाने के लिए आपको नए-नए रास्ते नजर आएगंगे।

विशेष

प्रधानमंत्री का नया जुमला संकट में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कोई भी देश भारत का दुश्मन नहीं है। देश का सही मायने में शत्रु, दूसरे देशों के ऊपर जो हमने जो निर्भरता बना रखी है,वह हमारी दुश्मन है।पिछले 11 वर्षों से केंद्र में मोदी सरकार है। कई राज्यों में 20 साल से अधिक भाजपा की सरकारें है।जो जुमला प्रधानमंत्री जी ने दिया है। वह उन्हीं पर भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। विपक्ष कहने लगा है, पिछले 11 वर्षों में उद्योग बंद हुए हैं। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। विदेश से आयात बढा है। चिप से लेकर शिप तक सभी विदेश से आ रहे हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन है,यह प्रधानमंत्री बताएं।

भारत के लिए कौन बना पनौती?

पिछले कुछ महीनो से भारत में प्राकृतिक आपदाओं को दौर चल रहा है। एक आपदा खत्म नहीं होती, दूसरी आ जाती है। देवभूमि उत्तराखंड और हिमाचल तथा जम्मू में जिस तरह से प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं। पंजाब में तो गजब हो गया जहां देखो वहां जल प्रलय के अलावा और कुछ दिखता ही नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए,अब कहा जा रहा है। भारत के लिए कौन पनौती बन गया है? भारत में क्या पाप बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। जिससे भगवान कुपित हो गए हैं। क्या भारत भूमि में कोई ऐसा आदमी है।जो अपने आपको भगवान से बड़ा मानने लगा है? तभी इस तरह के प्रकोप आते हैं।

कार्टून कोना

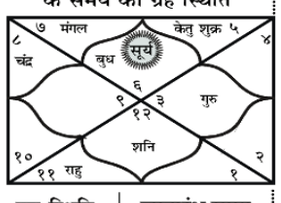


आज का इतिहास

1761: मीर कासिम मीर जाफर के स्थान पर बंगाल का नवाब बना. 1781: हैदर अली और अंग्रेजों में साननगढ की लड़ाई हुई. 1833: राम मोहन राय का निधन इंग्लैंड में हुआ. 1971: प्रसिद्ध क्रांतिकारी भगत सिंह का जन्म. 1958: मिहिर सेन ने इंग्लिश चैनल पार किया. 1615: लेडी अराबैला स्टुअर्ट की मौत टावर ऑफ लंदन में हुई. 1854: अटलांटिक महासागर में वाष्पचालित जहाज आर्कटिक तीन सौ लोगों के साथ डूब गया. 1933: लीग ऑफ नेशन्स ने चीन पर हमले के लिए जापान को दोषी ठहराया. 1955: जापान के होंशू द्वीप में तूफान से लगभग पांच हजार लोग मारे गए. 1968: फ्रांस ने यूरोपीय साझा बाजार में ब्रिटेन के प्रवेश पर वीटो किया. 1973: सोवियत संघ दो अंतरिक्ष यात्रियों सहित यान का प्रक्षेपण किया.

दैनिक पंचांग

27 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.21 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृश्चिक	09.36 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.52 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.44 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.17 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.27 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.25 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	कर्क	00.39 बजे से
		सिंह	02.55 बजे से
		कन्या	05.07 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 270 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 12.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 01.08 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 23.46 बजे को समाप्त। **करण** बालव 12.04 बजे तदनन्तर कौलव 01.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 39'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872480
जूलियन दिन 2460945.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
**सृष्

मानसून विदाई से पूर्व फिर बरसेगा, 3 से 9 अक्टूबर के बीच सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान

रांची, एजेंसी। देश से मानसून की विदाई होने लगी है। पश्चिम राजस्थान से विदाई शुरू हुई। फिलहाल मानसून हरिद्वार, मुरादाबाद, इटावा, बांसवाड़ा, विद्यानगर, वेरावल से होकर लौट रहा है। 15 अक्टूबर तक देश से मानसून के पूरी तरह विदा होने की संभावना है। लेकिन झारखंड में विदाई से पहले मानसून फिर बरसेगा।

क्योंकि, बंगाल की खाड़ी में एक और निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इसका असर झारखंड के अधिकतर जिलों में दिखेगा। मौसम विभाग रांची के अनुसार, 25 सितंबर को निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। इस वजह से 26 सितंबर को साइक्लोनिक सर्कुलेशन में तब्दील होगा, जो 27 सितंबर को दक्षिण ओड़िशा- उत्तर आंध्रप्रदेश तट से गुजर सकता है। इस वजह से झारखंड के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

बुधवार की देर रात से गुरुवार की सुबह तक तीन से चार बार मूसलाधार बारिश हुई। गुरुवार को दिन में भी अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार 25 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवा के झोंकों के साथ कहीं-कहीं वज्रपात होने की भी



संभावना है। दुर्गा पूजा में भी बारिश से राहत मिलने की संभावना कम है। इस दौरान अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। लेकिन 3 से 9 अक्टूबर के बीच सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में कुछ कमी आएगी। इसके बाद 12 अक्टूबर तक मानसून के झारखंड से विदा होने की संभावना है।

झारखंड में सितंबर के 25 दिनों में सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश

झारखंड में सितंबर के 25 दिनों में सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 25 सितंबर के बीच सामान्य वर्षापात 193.2 मिमी. होनी चाहिए। लेकिन इस अवधि में मात्र 163.3 मिमी. बारिश हुई, जो सामान्य से 16 प्रतिशत कम है। इस दौरान 10 जिलों में सामान्य से अधिक, 13 जिलों में सामान्य और 1 जिले में कम वर्षा दर्ज की गई है। गत तीन चार दिनों से हो रही वर्षा से तापमान गिर गया है और रात में लोगों ने चादर ओढ़ना शुरू कर दिया है। अहले सुबह कहीं कहीं कोहरे का असर भी देखने को मिल रहा है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि दुर्गा पूजा के दौरान राजधानी में देर रात ठंड अपना असर दिखा सकती है। वहीं, 29 सितंबर तक आसमान में बादल छाए रहने और कहीं कहीं मेघ गर्जन के साथ वर्षा होने की संभावना जताई गई है। जिस कारण दुर्गा पूजा में पंडाल देखने आने वाले दर्शनार्थियों की परेशानी बढ़ सकती है।

वहीं, शहर के कई जगहों पर आयोजित गरबा और डांडिया नाइट्स में शामिल होने जाने वाले लोगों को भी मौसम विभाग ने सतर्क किया है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि 26 और 27 सितंबर को राज्य के कई स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। बताया कि अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में कहीं कहीं मानसून की सक्रिय रहा तो अधिकांश जगहों पर कमजोर दिखा। कुछ स्थानों पर हल्की और मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा 21 मिमी पश्चिमी सिंहभूम के मंझारी में हुई। वहीं, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में मां-बेटी समेत तीन की मौत

घाटशिला, एजेंसी। घाटशिला के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात सड़क हादसे में मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों कार पर सवार थे और कोलकाता से जमशेदपुर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-18 पर झरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार कार एक ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार तीनों की मौत हो गई और गाड़ी बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों में मां-बेटी और कार का ड्राइवर शामिल है।

जमशेदपुर की रहने वाली थीं मां-बेटी: मृतकों की पहचान जमशेदपुर के कदमा स्थित प्रथिक बिहार निवासी कुसुमिता पटनायक (58), उनकी बेटी मोनिका पटनायक (28) और कोलकाता के चक्रबाड़िया निवासी ड्राइवर गणेश रॉय (50) के रूप में की गई।

कार का अगला हिस्सा ट्रक में पूरी तरह फंस गया: मिली जानकारी के अनुसार, मारुति स्विफ्ट कोलकाता से जमशेदपुर की ओर जा रही थी। रास्ते में झरिया मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर एक 14 चक्का ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा ट्रक में पूरी तरह फंस गया और उसमें सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल होकर गाड़ी में ही फंस गए। सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद एनएचएआई एंबुलेंस से सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला भेज दिया है। यहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और कार दोनों को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी एसआइआर को लेकर सभी तैयारियां दुरुस्त रखें, सीईओ के रवि कुमार ने दिए निर्देश



रांची, एजेंसी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिलों के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की सभी तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने गुरुवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में एसआइआर की अब तक की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए सभी पदाधिकारी पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों को समय पर पूरा कर लें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि उनके कार्यालय की वेबसाइट पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची को सभी राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता, मतदाताओं के लिए आनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी मतदाताओं को पहले से 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम खोजकर उसे डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए सभी जानकारियों का वृहत प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

कहा कि सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में वर्तमान मतदाता सूची का 2003 की मतदाता सूची से मिलान करते हुए मैपिंग करना सुनिश्चित कर लें।

कोल इंडिया ने दिवाली से पहले ही की पैसों की बारिश, कर्मचारियों के अकाउंट में आएंगे 1.03 लाख

धनबाद/बेरमो, एजेंसी। दुर्गा पूजा से ठीक पहले कोल इंडिया के 2.20 लाख कोयला कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। प्रबंधन और श्रमिक यूनियनों के बीच कई घंटों की लंबी बातचीत के बाद बोनस (परफॉरमेंस लिंक्ड रिवॉर्ड) की राशि पर सहमति बन गई है। पिछले साल की तुलना में यह बोनस काफी ज्यादा है। बीते वर्ष कर्मचारियों को 93,750 का बोनस मिला था। इस बढ़ोतरी से कोयला कर्मियों में खुशी की लहर है, खासकर त्योहारों के इस मौसम में। कोलकाता के एक होटल में मानकीकरण समिति की बैठक गुरुवार शाम 4:30 बजे शुरू हुई। शुरुआत में प्रबंधन 98,500 देने को तैयार था, जबकि पांचों श्रमिक यूनियनें 1.25 लाख की मांग पर अड़ी थीं। यूनियनों का कहना था कि पिछले साल के मुकाबले कोल इंडिया का मुनाफा काफी बढ़ा है, इसलिए बोनस भी ज्यादा मिलना चाहिए।

मेडिकल टेस्ट में अनुपस्थित रहने पर अयोग्य ठहराना न्यायसंगत नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जेपीएससी उम्मीदवार को दी बड़ी राहत

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सिविल सेवा परीक्षा 2021 की एक उम्मीदवार को बड़ी राहत दी है। अदालत ने अभ्यर्थी श्रेया कुमारी तिर्की के मेडिकल टेस्ट में अनुपस्थित रहने पर अयोग्य घोषित करने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मात्र मेडिकल टेस्ट में अनुपस्थित रहने से योग्य उम्मीदवार को बाहर करना न्यायसंगत नहीं है।

अदालत ने निर्देश दिया कि उम्मीदवार को एक बार मेडिकल टेस्ट का अवसर दिया जाए। यदि वह सफल रहती हैं तो उनके लिए एक अतिरिक्त पद सृजित किया जाए और उन्हें उसी चयन सूची में शामिल कर सेवा का लाभ दिया जाए। हालांकि, उन्हें बकाया वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि मेडिकल परीक्षा केवल शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए होती है।



इसे उम्मीदवार की मेरिट से जोड़ना उचित नहीं है।

अदालत ने माना कि विज्ञापन में दी गई सूचना अस्पष्ट थी और अगले दिन मेडिकल टेस्ट की व्याख्या को लेकर भ्रम पैदा हो सकता था।

श्रेया कुमारी तिर्की ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2021 में प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की थी। साक्षात्कार और दस्तावेज सत्यापन में भी शामिल हुई।

मेडिकल परीक्षण की तिथि को लेकर भ्रम के कारण वह उपस्थित नहीं हो पाई। इसके बाद आयोग ने उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी।

इस निर्णय के खिलाफ उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, लेकिन एकल पीठ और फिर खंडपीठ दोनों ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट गई।

जेपीएससी के चार पदों को आरक्षित रखने का निर्देश

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सरकार को जेपीएससी नियुक्ति 2023 के परिणाम लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने अगले आदेश तक चार पदों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान वकील ने हाई कोर्ट के जज को दी धमकी, बार काउंसिल को जांच का आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी ने बोकारो के चास थाना क्षेत्र के एक जमीन विवाद मामले में दो याचिकाकर्ताओं की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

अदालत ने प्रार्थियों के वकील राकेश कुमार के अदालत कक्ष में चिल्लाने और धमकी भरे आचरण पर गंभीर असंतोष जताया है। अदालत ने इसे आपराधिक अवमानना का मामला बताया, लेकिन एडवोकेट एसोसिएशन के सदस्यों के अनुरोध पर वकील के खिलाफ तत्काल कार्रवाई न करते हुए मामला झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष को भेजने का निर्देश दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा गया है कि वकील का यह आचरण न्यायपालिका की साख पर हमला है। हालांकि, अदालत में मौजूद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव और अन्य वरिष्ठ वकीलों ने वकील राकेश कुमार को एक मौका देने की गुजारिश की। इसपर अदालत ने उनके खिलाफ तत्काल अवमानना की कार्रवाई न करते हुए मामले की जांच का दायित्व झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष को सौंपा है। घटना के समय बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण भी अदालत कक्ष में मौजूद थे।

न्यायालय के रजिस्ट्री को यह आदेश बार काउंसिल के अध्यक्ष को तत्काल भेजने के निर्देश दिए गए हैं। यह मामला चास थाना से जुड़ा है, जिसमें जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थी के वकील राकेश कुमार ने दावा किया कि उनके मुवक्किलों को झूठे फंसाया गया है और विवादित जमीन पर उनका मालिकाना हक है। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। जस्टिस एसके द्विवेदी ने अपने आदेश में कहा कि प्रार्थी पर 80 वर्षीय व्यक्ति की जमीन हड़पने के गंभीर आरोप हैं और उनका आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। अदालत ने कहा कि झारखंड में इस तरह के अपराध बहुत आम है और ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत देना उचित नहीं होगा। जमानत याचिका खारिज होने के बाद प्रार्थी के वकील राकेश कुमार ने अदालत कक्ष में जोर-जोर से बहस शुरू कर दी और न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट जाने की धमकी दी।

धनबाद में मधुलिका स्वीट्स के 5 स्टोर अचानक बंद, संचालक ने फूड सेफ्टी की कार्रवाई पर उठाए सवाल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के मशहूर फूड चेन मधुलिका स्वीट्स के अचानक जिले के सभी पांच स्टोर बंद किए जाने के मामले में जिला प्रशासन ने श्रम अधीक्षक व फूड सेफ्टी से रिपोर्ट मांगी है। उपायुक्त आदित्य रंजन ने श्रम अधीक्षक व फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर को मामले के संबंध में जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है।



उपायुक्त ने बताया कि जिले में किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान को अफसरशाही के कारण बंद नहीं होने दिए जाएगा। शहर में कारोबारियों को सभी तरह से सुरक्षा व सपोर्ट देने के लिए जिला प्रशासन संकल्पित है।

उपायुक्त ने कहा कि इस मामले में मधुलिका के प्रोपराइटर से भी पक्ष जाना जाएगा। आपको बता दें कि धनबाद में मिठाई दुकान की पहचान बन चुके मधुलिका स्वीट्स ने एकाएक धनबाद के हाउसिंग कालोनी, सरायढेला, मेमको मोड, चास समेत अपने सभी पांचों प्रतिष्ठान बंद कर दिए हैं।

मधुलिका के संचालक ने फूड सेफ्टी से जुड़े अफसरों व जांच करने वालों पर सवाल उठाए हैं। संचालक जय प्रकाश चौरसिया ने कहा है कि धनबाद में फूड का बिजनेस करना अब आसान नहीं रह गया है।

उन्होंने फूड सेफ्टी पर आरोप लगाया है कि प्रतिष्ठित दुकानों पर जानबूझकर कार्रवाई की जाती है। जबकि शहर के फुटपाथों पर धडल्ले से सामानों की बिक्री की जा रही है, जिनपर कोई जांच नहीं होती।



मध्यान्ह भोजन योजना में होगा बदलाव, केंद्र ने राज्य सरकार से मांगे सुझाव

रांची, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन) योजना को लेकर झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से सुझाव मांगे हैं। इसे लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की अपर सचिव आनंदराव वी पाटील ने राज्य के शिक्षा सचिव तथा झारखंड मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक को पत्र लिखा है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए एक व्यापक और उच्च गुणवत्ता वाला स्कूल भोजन कार्यक्रम हमारी भावी पीढ़ी को आवश्यक पोषण प्रदान करने के लिए एक आवश्यक आधारशिला है।

इसलिए प्रधानमंत्री पोषण योजना का एक व्यापक पुनर्गठन किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए राज्यों का सुझाव आवश्यक है।

यह भी कहा गया है कि विभिन्न मंचों एवं बैठकों में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने रसोइया सह सहायकों के मानदेय में वृद्धि और एमएमई (मैनेजमेंट, मानिटरिंग एंड एवेल्यूशन) मद में आवंटन में वृद्धि आदि का अनुरोध किया है।

योजना के तहत पैब की इस वर्ष हुई बैठक में भी इसे लेकर सुझाव देने का अनुरोध किया गया था। यह भी कहा है कि योजना में सुधार और संशोधन के लिए राज्यों से प्राप्त सुझाव और इनपुट योजना को जारी रखने के लिए व्यय वित्त समिति (ईएफसी) के लिए एक व्यापक नोट तैयार करने में बहुत उपयोगी होंगे। व्यय वित्त समिति की बैठक में राज्यों के सुझावों पर विचार किया जाएगा। इसके बाद आगे का कदम उठाया जाएगा।

कारा के लिए निकली बंपर बहाली, दसवीं पास अभ्यर्थी के लिए भी सुनहरा अवसर

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने जेलों में कक्षपालों की नियुक्ति को लेकर आयोजित होनेवाली प्रतियोगिता परीक्षा की सूचना जारी कर दी है। इसके लिए सात नवंबर से आठ दिसंबर तक आनलाइन फार्म भरे जाएंगे। कुल नियमित पदों में 1634 पद पुरुषों तथा 64 पद महिलाओं के लिए हैं। इसी तरह, बैकलाग पदों में 19 पद पुरुषों तथा 16 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन पदों पर नियुक्ति के लिए आवश्यक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना निर्धारित है। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष तथा अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा में पिछड़ा वर्ग तथा अत्यंत पिछड़ा वर्ग को दो वर्ष, अनारक्षित, ईब्ल्यूएस, ओबीसी की महिलाओं को तीन वर्ष तथा एससी एसटी (पुरुषों एवं महिलाओं) को पांच वर्ष की छूट देय होगा।

इन पदों पर नियुक्ति के लिए दौड़ प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके तहत पुरुष अभ्यर्थियों को छह मिनट में 1600 मीटर की दौड़ पूरी करनी होगी।

गिरिडीह में नक्सल ठिकाने पर कार्रवाई, एसएलआर राइफल, 113 कारतूस और डेटोनेटर समेत हथियार बरामद

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान में सफलता मिली है। मधुबन थाना क्षेत्र के सतकीरा और पारसनाथ की पहाड़ियों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के ठिकाने से हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं।

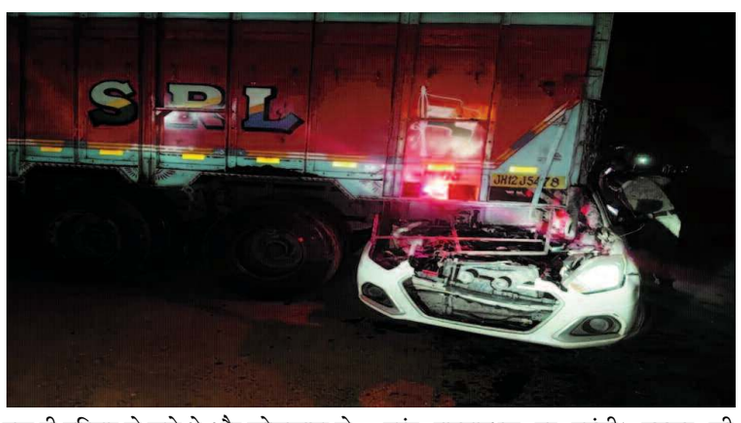


113 जिंदा कारतूस और 2 मैगजीन पाउच बरामद: गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ 203 और 154 बटालियन की टीम ने जोकाई नाला और चीरवाबेड़ा इलाके में छापेमारी की। सुरक्षाबलों को एक एसएलआर राइफल और एक 3.3 राइफल मिली है। इसके अलावा 113 जिंदा कारतूस, 2 मैगजीन पाउच, करीब 700 मीटर कोडेक्स वायर और 23 डेटोनेटर भी बरामद हुए हैं।

नक्सल उन्मूलन अभियान और तेज किया जाएगा: एसपी: डुमरी अनुमंडल में पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नक्सली गतिविधियों को समाप्त करने के लिए पुलिस पूरी मजबूती से काम कर रही है। इस अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक सुरजीत कुमार ने किया। टीम में डिप्टी कमांडेंट सीआरपीएफ अमित कुमार झा, असिस्टेंट कमांडेंट वैभव मल्होत्रा, पुलिस निरीक्षक पिंटू शर्मा, खुखरा थाना प्रभारी निरंजन कच्छप और निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार शामिल थे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

ट्रक में घुस गई कार, जमशेदपुर-बंगाल रूट पर भीषण हादसे में मां-बेटी सहित तीन की दर्दनाक मौत

पूर्वी सिंहभूम (बहरागोड़ा), एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के झरिया मोड़ के पास गुरुवार, 25 सितंबर 2025 की देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने तीन लोगों की जान ले ली। एक तेज रफ्तार ट्रक ने कोलकाता से जमशेदपुर जा रही मारुति स्विफ्ट कार (डब्ल्यूबी51सी7151) को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार ट्रक के पिछले हिस्से में फंसकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और तीनों सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। कार में सवार लोग कोलकाता से किसी निजी कार्य के लिए गए थे और जमशेदपुर लौट रहे थे। इस हादसे ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी, क्योंकि ह्यी-18 पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों



एक ही परिवार से जुड़े थे और कोलकाता से लौटते समय इस हादसे का शिकार हो गए। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है, और घटना की खबर से दोनों शहरों में शोक की लहर है।

बहरागोड़ा पुलिस को सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। टक्कर की भयावहता के कारण कार को ट्रक से अलग करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। एनएचएआई की एंबुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को क्षतिग्रस्त कार से निकाला। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शवों को शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त मारुति स्विफ्ट कार और ट्रक को जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और ट्रक चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज व प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं ने स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई के सामने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सड़क सुरक्षा उपायों की कमी के कारण हादसे बढ़ रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चर्चा को तेज कर दिया है।



नवरात्रि में करें लौंग के ये टोटके, हर बुरी नजर होगी दूर

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करने से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का घर में आगमन होता है। वहीं, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि नवरात्र के दौरान लौंग के कुछ उपाय करना भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आइये जानते हैं उन उपायों के बारे में।

नवरात्रि पर करें लौंग के ये उपाय

नवरात्रि के नौ दिनों तक रोजाना शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर लौंग के तेल का दीपक जलाएं या फिर दीये में लौंग डालकर प्रज्वलित करें। इससे घर का दोष दूर होता है और घर पर आने वाला संकट नष्ट हो जाता है।

नवरात्रि के दौरान घर के टॉयलेट और बाथरूम में 5 लौंग जलाने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है और सकारात्मकता का संचार होता है। इसके अलावा, बुरी नजर अगर लगी है तो उससे भी छुटकारा मिलता है।

नवरात्रि के दौरान अष्टमी या नवमी तिथि पर हवन के समय लौंग को आहुति के रूप में चढ़ाने से घर की बरकत के रास्ते खुलते हैं। पारिवारिक कलश दूर होता है और सदस्यों के बीच आपसी रिश्तों में मिठास बनने लग जाती है।

नवरात्रि के दौरान 7 लौंग लाल कपड़े में लपेटकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें और दशमी तिथि पर उस लौंग की पोटली को पवित्र जल में प्रवाहित कर दें। इससे सोया हुआ भाग्य जाग उठेगा। उज्जवल भविष्य का मार्ग खुल जाएगा।



श्री कृष्ण को कौन-कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए?

भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्तियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्तियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलत हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए।

श्री कृष्ण की पूजा के दौरान उन्हें कई प्रकार के फूल चढ़ाए जाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि कृष्ण चरणों में फूल अर्पित करने से जीवन हमेशा खुशियों से महकता रहता है। भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्तियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्तियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलत हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्तियां चढ़ानी चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले लाभ।

पीपल की पत्तियां

भगवांस श्री कृष्ण को पीपल की पत्तियां चढ़ाने से घर में कैसा भी दोष क्यों न हो दूर हो जाता है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी दल श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में तुलसी दल भी श्री कृष्ण को अर्पित करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता का संचार होता है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

अशोक की पत्तियां

अशोक के पेड़ में भगवान शिव का वास होता है। ऐसे में अशोक की पत्तियां श्री कृष्ण को चढ़ाने से वह बहुत प्रसन्न हो जाते हैं। वहीं, शुक्र ग्रह का वास होने के कारण वैवाहिक जीवन मधुर बनता है। भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाएं कदंब की पत्तियां कदंब का फूल भगवान श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में कदंब का फूल भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाने से घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होने लगती हैं।

इसके अलावा, भगवान कृष्ण के साथ-साथ सभी देवी-देवताओं की कृपा भी मिलने लगती है।



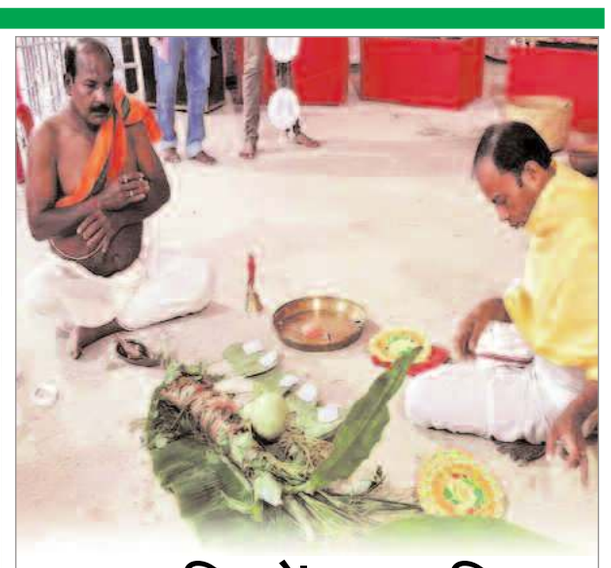
देवी दुर्गा का वाहन शेर ही क्यों है?

नवरात्रि पर माता दुर्गा की उपासना की जाती है। पुराणों में नवरात्रि की माता नौ दुर्गा के अलग अलग वाहनों का वर्णन मिलता है। जैसे शैलपुत्री माता वृषभ पर सवार है तो कालरात्रि माता गधे पर। इसी तरह प्रत्येक देवी का वाहन अलग अलग है, परंतु माता का मुख्य वाहन शेर और सिंह ही है। आओ जानते हैं इस संबंध में 2 खास बातें।

देवी दुर्गा सिंह पर सवार हैं तो माता पार्वती शेर (बाघ) पर। पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं उन्हें सिंह पर सवार दिखाया गया है। कात्यायनी देवी को भी सिंह पर सवार दिखाया गया है। देवी कुष्मांडा शेर (बाघ) पर सवार है। माता चंद्रघंटा भी शेर (बाघ) पर सवार है। जिनकी प्रतिपद और जिनकी अष्टमी को पूजा होती है वे शैलपुत्री और महागौरी वृषभ पर सवारी करती है। माता कालरात्रि की सवारी गधा है तो सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान है।

एक कथा अनुसार शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी पार्वती ने हजारों वर्ष तक तपस्या की। तपस्या से देवी सांवली हो गई। भगवान शिव से विवाह के बाद एक दिन जब शिव पार्वती साथ बैठे थे तब भगवान शिव ने पार्वती से मजाक करते हुए काली कह दिया। देवी पार्वती को शिव की यह बात चुभ गई और कैलाश छोड़कर वापस तपस्या करने में लीन हो गई। इस बीच एक भूखा शेर देवी को खाने की इच्छा से वहां पहुंचा। लेकिन तपस्या में लीन देवी को देखकर वह चुपचाप बैठ गया।

शेर सोचने लगा कि देवी कब तपस्या से उठे और वह उन्हें अपना आहार बना ले। इस बीच कई साल बीत गए लेकिन शेर अपनी जगह डटा रहा। इस बीच देवी पार्वती की तपस्या पूरी होने पर भगवान शिव प्रकट हुए और पार्वती गौरवर्ण यानी गोरी होने का वरदान दिया। इसके बाद देवी पार्वती ने गंगा स्नान किया और उनके शरीर से एक सांवली देवी प्रकट हुई जो कौशकी कहलायी और गौरवर्ण हो जाने के कारण देवी पार्वती गौरी कहलाने लगी। देवी पार्वती ने उस शेर को अपना वाहन बना लिया जो उन्हें खाने के लिए बैठा था। इसका कारण यह था कि शेर ने देवी को खाने की प्रतीक्षा में उन पर नजर टिकाए रखकर वर्षो तक उनका ध्यान किया था। देवी ने इसे शेर की तपस्या मान लिया और अपनी सेवा में ले लिया। इसलिए देवी पार्वती के वाहन माने शेर/सिंह माने जाते हैं।



नवरात्रि में नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का क्या है महत्व?

नवपत्रिका पूजा हिंदू धर्म में एक विशेष पूजा है। यह खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। इस पूजा में नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का एक गुच्छा, जिसे नवपत्रिका कहा जाता है, माता दुर्गा को अर्पित किया जाता है। यह पूजा मुख्य रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है।

हिंदू धर्म में नवपत्रिका पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व विशेष रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है। यह पूजा खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। जिसमें नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों को एक गुच्छा में बांधा जाता है। जिसे नवपत्रिका कहा जाता है। उसके बाद इसे मां दुर्गा को चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरे नौ पत्तियों को पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ बांधकर माता रानी को अर्पित करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही नजरदोष से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान नवपत्रिका पूजा में कौन-कौन से नौ पत्तियों का गुच्छा बनाया जाता है। सभी पत्तों का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का महत्व

नौ पत्ते मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पत्ता मां दुर्गा के एक विशिष्ट रूप की शक्ति और विशेषताओं को दर्शाता है। इन पत्तों को पवित्र माना जाता है और इन्हें मां दुर्गा को अर्पित किया जाता है। ये पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक हैं। ये पत्ते शक्ति और उर्जा का भी प्रतीक हैं। माना जाता है कि इन पत्तों में मां दुर्गा की दिव्य शक्ति निहित होती है। नवपत्रिका पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस पूजा को करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह पूजा बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी सहायक होती है।

केले का पत्र - केले के पत्ता शुद्धता और पवित्रता का प्रतिक है।
दारूहलदी पत्र - दारूहलदी पत्र शक्ति और उर्जा का प्रतीक है।
हल्दी पत्र - हल्दी पत्र शुभता, समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक है।
जयंती पत्र - जयंती पत्र शुभता और कामता का प्रतीक है।
बेल पत्र - बेलपत्र शांति और शक्ति का प्रतीक है।
अनार पत्र - अनार पत्र ज्ञान प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है।
अशोक पत्र - अशोक पत्र शुद्धता सत्य और जीत का प्रतीक है।
धान पत्र- धान पत्र समृद्धि का प्रतीक है।
अमलतास पत्र - अमलतास पत्र आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा का प्रतीक है।





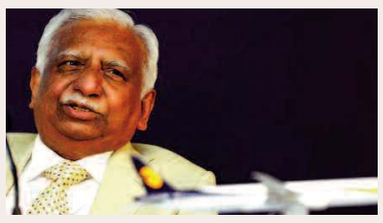
इस नवरात्रि जरूर करें सांझी माता की आरती, मनचाही कामना होगी पूरी

सांझी माता हिंदू धर्म, विशेषकर उत्तर भारत में, विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं की देवी के रूप में पूजित की जाती हैं। सांझी पर्व, जो खासतौर से शारदीय नवरात्रि के दौरान मनाया जाता है, कुंवारी कन्याओं के लिए विशेष महत्व रखता है। सांझी माता की पूजा करने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलने की मान्यता है। माना जाता है कि सांझी माता कुंवारी कन्याओं की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। सांझी पूजा घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाती है।

माना जाता है कि सांझी माता के आशीर्वाद से घर में खुशहाली आती है। आपको बता दें, नवरात्रि के दौरान पहले माता सांझी को आटे, चावल के आटे या रेत से बनाया जाता है। सांझी माता को बनाने के बाद उनकी पूरी विधि-विधान के साथ-पूजा-अर्चना भी की जाती है। कहते हैं, कि अगर सांझी माता की पूजा पूरी श्रद्धा से किया जाए, तो माता उन्हें सभी सुखों से भर देती हैं। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान सांझी माता की आरती क्या है और आरती करने का क्या महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं। नवरात्रि के दौरान करें माता सांझी की आरती नवरात्रि के दौरान माता सांझी की आरती करने से मनचाहे फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

आरता री आरता मेरी सांझी माई आरता,
आरता के नैन, कचाली भर आइयो,
टेढ़ी टेढ़ी पगियो में, बीरा जी हमारे,
लंबे लंबे घूंघट वाली, भावज हमारी,
क्या मेरी सांझी ओढेगी, पहरेगी,
सोने का सीस गुनधाएगी,
जाग सांझी जाग तेरे माथे लगे भाग,
तेरी पटियों में मांग, तेरे हाथो में सुहाग,
गोरा री गोरा सांझी का भैया गोरा
गोरी है बहुरिया,
अस्सी तेरे फूल, पिचासी तेरे डंडे,
श्रवण तेरी डोर, मुल्तानी तेरे पलड़े,
हल्दी गांठ गठीली, सबकी बहु है हठीली,
माँगे सोने का बिंदा, बिंदा मोल गया,
भाभो रूठ गयी, भैया बागों में जाइयो,
एक लोधड़ा कटाइयो, सूडा सूड़ मचाइयो,
कालबली के ऊंचे पाए, नीचे पाए
लेले बेटा गोद खिलाए,
गुरसल मंगल गाती आई,
चिड़िया चूँ चूँ करती आई
अऊं तेरी सांझी, मांगे गेंहू,
तू दे सपूती जौ, तेरे बेटा होंगे नौ,
नौ नोरते देवी के, सोलह कनागत पितरों के,
खोल मेरी देवी , चंदन किवाड़,
मैं आई तेरे पुजनहार,
पूज पूजन्ति क्या कुछ लाई,
भैया भतीजे सब परिवार,
भैया तेरे नौ दस बीस, भतीजे तेरे पूरे तीस

बॉम्बे हाईकोर्ट से नरेश गोयल को राहत, बैंक ऑफ इंडिया के फैसले को किया गया रद्द



नईदिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल के खाते को धोखाधड़ी घोषित करने के बैंक ऑफ इंडिया के फैसले को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति आरआई चागला की आरे से जारी आदेश में गोयल के खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित करने के बाद की सभी कार्रवाई को भी रद्द कर दिया गया है। इसमें किसी भी केंद्रीय एजेंसी को इसकी रिपोर्ट करना भी शामिल है।गोयल ने याचिका दायर कर नरेश के स्वामित्व वाले जेट एयरवेज के उधारकर्ता खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित करने के बैंक के फैसले को चुनौती दी थी। 30 दिसंबर 2024 को बैंक ने गोयल को कारण बताओ नोटिस जारी कर जेट एयरवेज के खाते को धोखाधड़ी वाला बताया था। 14 जनवरी, 2025 को गोयल ने आरोपों का खंडन कर विशेष रूप से अनुरोध किया कि बैंक धोखाधड़ी की घोषणा प्रक्रिया से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराए। गोयल ने बताया कि 7 मई, 2020 की एफआर ने जेट एयरवेज और गोयल को दोषमुक्त किया था, क्योंकि धोखाधड़ी का निर्णायक सबूत नहीं मिला था। इसके आधार पर संयुक्त ऋणदाता मंच ने 8 मई 2020 को अपनी बैठक में गोयल के खिलाफ कार्रवाई न करने का फैसला किया था।

4 लाख करोड़ स्वाहा! टाटा के शेयर ने निवेशकों को दिया तगड़ा झटका



नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में आज फिर गिरावट आई है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.4 प्रतिशत गिरावट के साथ 2,916 रुपये पर आ गया। यह इसका 3 साल का न्यूनतम स्तर है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 10.57 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा गिरावट आई है। डिमांड घटने, अमेरिका में H-1B वीजा फीस बढ़ने और जेनरेटिव-AI का चलन बढ़ने से कंपनी पर असर पड़ा है। साथ ही कंपनी का तिमाही प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। इन सब बातों से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। टीसीएस का मार्केट कैप पिछले सेशन में 10.71 लाख करोड़ रुपये था जो 31 दिसंबर 2024 को यह 14.81 लाख करोड़ रुपये था। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले एक साल में यह स्टॉक 30 प्रतिशत तक गिर गया है। इस आईटी स्टॉक के शेयरधारकों को पिछले तीन साल से नुकसान हो रहा है। अगर किसी ने तीन साल पहले इस शेयर में एक करोड़ रुपये निवेश किए होते तो आज उसकी वैल्यू 95 लाख रुपये होती। छह महीने में स्टॉक 19 प्रतिशत और तीन महीने में 14 प्रतिशत तक गिर गया है। टेक्निकल चार्ट्स के अनुसार इसका आरएसआई 33 के करीब पहुंच गया है। इसका मतलब है कि स्टॉक ओवरसोल्ड जोन में ट्रेड कर रहा है। जानकारों का कहना है कि इसे 2900 रुपये पर सपोर्ट मिलेगा और 3,100 रुपये पर रेजिस्टेंस। अगर स्टॉक 3,100 रुपये के लेवल को पार कर जाता है, तो यह 3150 रुपये तक जा सकता है।

रिपोर्ट में दावा: इस त्योहारी सीजन में दो लाख लोगों को मिल सकती हैं नौकरियां

ज्यादातर भर्तियां छोटे शहरों में



नई दिल्ली, एजेंसी।
इस त्योहारी सीजन में दो लाख तक नए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इनमें से 70 फीसदी नौकरियां दिहाड़ी होंगी। 30 फीसदी रोजगार स्थाई होंगे। एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की त्योहारी अर्थव्यवस्था हमेशा से उपभोक्ता खर्च को बढ़ाने में अहम रही है। 2025 में मौसमी मांग भी रोजगार मॉडल को आकार दे रही है।

इस त्योहारी मौसम में जिन प्रमुख क्षेत्रों में दो लाख तक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है उनमें, खुदरा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और ग्राहक सेवाएं हैं। त्योहारी अवधि के दौरान भर्ती पिछले साल की तुलना में लगभग 20-25 फीसदी बढ़ सकती है। सप्लाई चेन और लास्ट-माइल डिलीवरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश के कारण क्विक कॉमर्स और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्र इस बढ़त को गति दे रहे हैं। इससे पता चलता है कि कंपनियां लचीलेपन और रफ्तार को संतुलित करने के लिए एक ब्लेंडेड वर्कफोर्स मॉडल अपना रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 35 फीसदी से अधिक व्यवसाय अब अपनी दीर्घकालिक प्रतिभा रणनीति के एक घटक के रूप में त्योहारी भर्तियों पर फिर से विचार कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि कंपनियां त्योहारों से पहले क्षमता बढ़ाने में निवेश कर रही हैं। अपने कर्मचारियों के विविधीकरण पर विचार कर रही हैं। कई बड़े क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म त्योहारों के बाद भी इस बढ़े हुए कार्यबल का 26 फीसदी हिस्सा बनाए रखेंगे, जो एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी भर्ती में काफी बढ़ोतरी होगी, जो सक्रिय विकास के केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर सकते हैं। भुवनेश्वर, कोच्चि, इंदौर, सूरत और नागपुर जैसे शहरों में दिहाड़ी कामगारों में 30-40 फीसदी की वृद्धि होने की उम्मीद है। इन शहरों के रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए छोटे फुलफिलमेंट हब के रूप में उभरने के साथ पिछले त्योहार में टियर 2 शहरों में कुल दिहाड़ी भर्तियों का 47 फीसदी हिस्सा था। यह आंकड़ा 2025-26 में 50 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। असली वृद्धि का रुझान स्पष्ट रूप से दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों की ओर बढ़ रहा है। यहां प्रतिभाओं की संख्या मजबूत है और परिचालन लागत कम है।

ई-कॉमर्स और खुदरा क्षेत्र में ज्यादा रोजगार

मौसमी कर्मचारियों की मांग बढ़ रही है। लगभग 43 फीसदी कंपनियों ने बताया, इस त्योहारी सीजन में पिछले साल की तुलना में ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, खुदरा और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में ज्यादा नियुक्तियां की गईं। प्रमुख भूमिकाओं में मार्केटिंग पेशेवर, डिलीवरी ड्राइवर और स्टोर मैनेजर शामिल हैं। दिलचस्प यह है कि नियोक्ता अस्थायी कर्मचारियों से ज्यादा की तलाश में हैं। लगभग आधे नियोक्ताओं ने कहा, कर्मचारियों में नेतृत्व और प्रबंधकीय क्षमताएं सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। 29 फीसदी को टीम वर्क महत्वपूर्ण है। 13 फीसदी डिजिटल साक्षरता को प्रमुख मानते हैं।

समय पर डिलीवरी करना है लक्ष्य

फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म पर ज्यादा रोजगार मिलने की उम्मीद है। यहां दिहाड़ी लोगों की जरूरत है। इन प्लेटफॉर्मों ने पहले से ही भर्तियां शुरू कर दी हैं। नवरात्र शुरू होते ही ऑर्डर में तेज वृद्धि होने लगी है। ये नियुक्तियाँ गोदामों, डिलीवरी संचालन, टीम नेतृत्व और ग्राहक अनुभव कार्यों में की जा रही हैं। इन भर्तियों का उद्देश्य त्योहारों के मौसम में देश भर में समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करना है। दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों में ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यहां त्योहारों में अच्छी मांग की उम्मीद है।

जीएसटी राहत की राह में बाधक बन रहा कमजोर रुपया



नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रहा रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार को रुपया 88.71 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपये में गिरावट की वजह से देश में आयातित उत्पाद महंगे होने की आशंका बढ़ गई है, जिसकी वजह से जीएसटी कटौती का लाभ भी कम होने की संभावना बढ़ रही है।

एच1-बी वीजा पर शुल्क लगने से रुपया दबाव में है। व्यापार नीति की अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण भी गिरावट आई है और यह सार्वकालिक निचले स्तर पर है। मई से रुपये में अब तक 4.7 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है, जिससे आयात-निर्भर क्षेत्रों की लागत बढ़ गई है। सोना, कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक व खाद्य तेलों की देश में आने की लागत 8 से 12 फीसदी तक बढ़ गई है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप, टीवी पर जीएसटी में राहत मिली है, लेकिन सितंबर में इनकी लागत 2025 की दूसरी तिमाही की तुलना में 6-11 फीसदी ऊंची है। इससे जीएसटी कटौती का फायदा 60 से 90 फीसदी तक कम हुआ है। महंगे आयात से जीएसटी कटौती के बावजूद ज्यादातर आयातित दवाइयों व मेडिकल उपकरण की रिटेल कीमतें स्थिर या थोड़ी ऊंची बनी हुई हैं।

आयातित श्रेणियों में जीएसटी कटौती के लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में कमी आएगी। आयात लागत बढ़ने से कंपनियों के लिए रिटेल छूट बढ़ाना मुश्किल होगा। महंगे आयात से घरेलू निर्माता और रिटेलर्स को फायदा होगा, जबकि आयातक एशियाई देशों से सोर्सिंग शिफ्ट करने की योजना बना रहे हैं।

जेएसडब्ल्यू स्टील के पक्ष में आया 'सुप्रीम' फैसला, सबसे लम्बा इंसॉल्वेंसी केस खत्म, अधिग्रहण का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड को शुक्रवार को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिवालिया हो चुके भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के 19700 करोड़ रुपये के अधिग्रहण के प्लान की मंजूरी दे दी है। इसी के साथ भारत का सबसे लम्बे समय तक चलने वाले इंसॉल्वेंसी केस भी समाप्त हो गया है। बता दें, कोर्ट ने असहमच लेनदारों की चुनौती को भी खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इंसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड के तहत कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स के फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली स्पेशल बेंच जिसमें जस्टीस सतीश चंद्र शर्मा और के विनोद चंद्रन यह फैसला दिया है। इस स्पेशल बेंच ने इस बात को रेखांकित किया है कि जेसएडब्ल्यू स्टील ने बीपीएसएल को मुनाफे वाली कंपनी बना दिया है। साथ ही एनसीएलटी और एनसीएलएटी के अप्रूवल को बरकरार रखा है। बीएसई में आज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड का स्टॉक 1151 रुपये के पर खुला था। लेकिन दिन कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 1130.20 रुपये तक लुढ़क गए थे।

बाजार के मुकाबले एयरपोर्ट पर ज्यादा बिक रही है शराब

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस खबर को देख कर ऐसा लगता है कि भारतीय हवाई अड्डों पर यात्री शराब की जम कर खरीदारी कर रहे हैं। इसका खुलासा आईडब्ल्यूएसआर ड्रिंक्स मार्केट एनालिसिस से हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में भारत के ड्यूटी-फ्री शॉप और ट्रैवल रिटेल में शराब की बिक्री में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके उलट यदि घरेलू बाजार में देखें तो इस दौरान शराब की बिक्री में बढ़ोतरी महज 6 प्रतिशत ही बढ़ी है। इसका मतलब है कि हवाई अड्डों पर शराब की बिक्री, सामान्य दुकानों से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

एयरपोर्ट पर व्हिस्की का जलवा: इस दौरान एयरपोर्ट पर व्हिस्की की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है। कुल बिक्री में व्हिस्की का हिस्सा तीन-चौथाई है। इसकी बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, भारत के घरेलू बाजार में व्हिस्की की बिक्री 8 प्रतिशत घट गई। आईडब्ल्यूएसआर में जीटीआर (ग्लोबल ट्रैवल रिटेल) की सीनियर इनसाइट्स मैनेजर शार्लोट रीड ने हमारे सहयोगी ईटी को बताया, अगले पांच सालों में भारतीय यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, शराब की बिक्री भी तेजी से बढ़ रही है। इससे साफ है कि भारतीय यात्री ग्लोबल ट्रैवल रिटेल की सफलता के लिए बहुत जरूरी होंगे।

एयरपोर्ट रिटेल महत्वपूर्ण: दरअसल, ग्लोबल ट्रैवल रिटेल, शराब कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया बनता जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब शराब उद्योग में बिक्री स्थिर हो गई है। अनुमान है कि 2024 से 2029 के बीच ग्लोबल टोटल बेवरेज अल्कोहल की खपत स्थिर रहेगी। लेकिन आईडब्ल्यूएसआर का अनुमान है कि जीटीआर में बिक्री 3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एशिया में यह दर 4 प्रतिशत तक हो सकती है। वैसे भी भारत में मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। लोगों की आमदनी बढ़ रही है और उनकी खर्च करने की आदतें भी बदल रही हैं।

भारतीयों के बीच ट्रेवल डिमांड बढ़ी

रीड आगे कहती हैं, भारत में लोगों की आमदनी और घूमने-फिरने की मांग, दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले तेजी से बढ़ रही है। इससे ग्राहकों के खर्च करने के तरीके बदलेंगे और जीटीआर में मांग बढ़ेगी। उनके अनुसार, भारतीय ग्राहक अब सिर्फ कीमत और जरूरत के हिसाब से नहीं खरीदते। वे ब्रांड और अनुभव को भी महत्व देते हैं। खासकर मिलेनियल पीढ़ी के लोग। रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा का कहना है कि यात्री हवाई अड्डे पर समय बिताते हुए ब्रांडों को देखते हैं। खासकर प्रीमियम और लग्जरी ब्रांडों को। उनके अनुसार, लोगों के पास हवाई अड्डे पर घूमने-फिरने और ब्रांडों को देखने का काफी समय होता है। इससे उन्हें खरीदने से पहले ब्रांड के बारे में जानने का मौका मिलता है।

आरबीआई के आंकड़े: नवरात्रि के पहले दिन ई-कॉमर्स की बिक्री में इजाफा

● आरटीजीएस लेनदेन में सर्वाधिक वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती से नवरात्रि के पहले दिन जमकर खरीदारी हुई। इसका असर यह हुआ कि डिजिटल भुगतान 22 सितंबर को एक दिन में 10 गुना बढ़कर 11.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 21 सितंबर को 1.18 लाख करोड़ था।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, नवरात्रि के पहले दिन ई-कॉमर्स की बिक्री में जमकर इजाफा हुआ। उपभोक्ता सामानों की अच्छी खरीदारी हुई। आंकड़े बताते हैं कि आरटीजीएस से 22 सितंबर को 8.19 लाख करोड़ रुपये के 11.25 लाख लेनदेन हुए।?एक दिन पहले 21 सितंबर को 17,166 करोड़ रुपये के 1.46 लाख लेनदेन ही हुए थे।?आरटीजीएस लेनदेन की संख्या और मूल्य में सबसे ज्यादा वृद्धि देखी गई। एनईएफटी से 21 सितंबर को 21,224 करोड़ रुपये के 1.68 करोड़ लेनदेन हुए। 22 सितंबर को लेनदेन की संख्या बढ़कर 2.69 करोड़ और मूल्य 1.58 लाख करोड़ पहुंच गया। आधार से भुगतान में भी अच्छी तेजी रही।?21 सितंबर को 18.31 करोड़ रुपये के 66,000 लेनदेन हुए। 22 सितंबर को भी लेनदेन की संख्या उतनी ही रही, लेकिन मूल्य 18.97 करोड़ रुपये हो गया। खरीदारी की रफ्तार 23 सितंबर को भी जारी रही। इस दिन 11.19 लाख करोड़ का भुगतान हुआ। 24 सितंबर को मामूली गिरावट रही।

भुगतान के लिए पसंदीदा साधनों में शामिल यूपीआई से 22 सितंबर को 37 फीसदी ज्यादा भुगतान हुआ। 63.70 करोड़ लेनदेन के जरिये 82,487 करोड़ का भुगतान हुआ। लेनदेन की संख्या 21 सितंबर को ज्यादा यानी 65 करोड़ थी, लेकिन मूल्य 60,320 करोड़ रुपये ही था। आईएमपीएस के जरिये भुगतान में करीब दोगुना की बढ़त हुई है। 21 सितंबर को 1.06 करोड़ लेनदेन के जरिये कुल 10,520 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।



भारत बिल पेमेंट सिस्टम से 3,987 करोड़ का भुगतान

भारत बिल पेमेंट सिस्टम से 21 सितंबर को 65 लाख लेनदेन के जरिये 2,907 करोड़ का भुगतान किया गया। 22 सितंबर को यह बढ़कर 80 लाख और 3,987 करोड़ रुपये हो गया। डेबिट कार्ड से 21 सितंबर को पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) के जरिये 18.21 लाख लेनदेन में 455 करोड़ का भुगतान हुआ। 22 सितंबर को यह बढ़कर 29.24 लाख और 874 करोड़ रुपये हो गया। ई-कॉमर्स पर 21 सितंबर को 6.41 लाख लेनदेन में 193 करोड़ का भुगतान हुआ, जो 22 सितंबर को 14.33 लाख और 814 करोड़ रुपये पार हो गया।

लक्ष्मी मित्तल ने दिल्ली में की इस साल की सबसे बड़ी प्रॉपर्टी डील, 21 करोड़ में खरीदा बंगला?

ई दिल्ली, एजेंसी।
श के टॉप रईसों में शामिल स्टील कारोबारी लक्ष्मी ित्तल से जुड़ी एक कंपनी ने दिल्ली के लुटियंस ाके में एक बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है। मनीकंट्रोल की क रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने 310 करोड़ रुपये एक बंगला खरीदा है। इसे दिल्ली के प्रॉपर्टी सर्किल इस साल की सबसे बड़ी डील माना जा रहा है। क्ष्मी मित्तल आर्सेलरमित्तल के चेयरमैन हैं जो चीन ा बाहर दुनिया की सबसे बड़ी स्टील कंपनी है। ूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक लक्ष्मी मित्तल ी नेटवर्थ 26.9 अरब डॉलर है।

रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई की एक कंपनी जेंटेक्स चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने दिल्ली में यह बंगला रीदा है। 3,540 स्क्वायर यार्ड में फैला यह बंगला .पी.जे. अब्दुल कलाम रोड पर है जिसे पहले ौरंगजेब रोड के नाम से जाना जाता था। रजिस्ट्रेशन क्यिुमेंट्स के मुताबिक यह डील इसी साल जून में जिस्टर हुई थी और इसके लिए खरीदार ने 21.70 रोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी भरी है। अगर प्रति क्वायर यार्ड के हिसाब से देखें तो इस बंगले की ीमत 8.75 लाख रुपये प्रति स्क्वायर यार्ड बैठती है।

क्ष्मी मित्तल की नेटवर्थ

साल 1930 में बने इस बंगले का संबंध अलवर



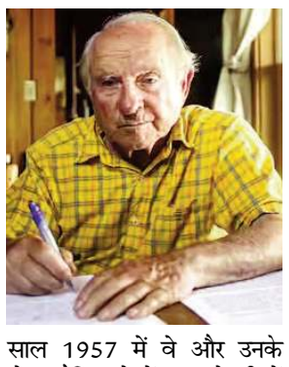
के शाही परिवार से है। जेंटेक्स मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर्स में सूर्य कुमार कनोडिया भी शामिल हैं। जेंटेक्स मर्चेंट्स और लक्ष्मी मित्तल ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। लक्ष्मी मित्तल के पास पहले से ही लुटियंस दिल्ली में पृथ्वीराज रोड पर एक बंगला है। जानकारों का कहना है कि इस डील से साफ है कि दिल्ली के लुटियन में बड़े बंगलों की मांग अब भी बनी हुई है। यहां कई बड़े उद्योगपतियों और ग्लोबल बिजनेस परिवारों ने प्रॉपर्टी खरीदी हैं। लक्ष्मी मित्तल भारतीय अमीरों की लिस्ट में सातवें और दुनिया में 82वें नंबर पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 7.26 अरब डॉलर की तेजी आई है। आर्सेलरमित्तल का मुख्यालय लक्जमबर्ग में है और इसका बिजनेस 15 देशों में फैला है। पिछले साल इसका रेवेन्यू 62.4 अरब डॉलर रहा था। मित्तल लंदन में रहते हैं जहां उनकी कई प्रॉपर्टीज हैं।

कभी इलाज कराने के भी नहीं थे पैसे

किस्मत ऐसी चमकी कि बन गए अरबपति

नई दिल्ली, एजेंसी।
क्या आप करोड़पति या अरबपति बनना चाहते हैं? शायद ही कोई ऐसा शख्स होगा जो बेशुमार दौलत का मालिक न बनना चाहता हो। लेकिन एक शख्स जो बहुत ही गरीबी के हालात रहा, उसने कंपनी शुरू की और अरबपति बन गया। लेकिन जब उसे पता चला कि वह दुनिया के टॉप अमीरों में शामिल हो गया है तो वह इससे काफी दुखी हुआ और अपनी कंपनी ही दान कर दी। यह शख्स कोई और नहीं बल्कि 86 साल के अमेरिकी कारोबारी यवोन चौइनार्ड हैं।

यवोन चौइनार्ड ने साल 2005 में अपनी आत्मकथा लिखी थी। किताब का नाम था, लेट माय पीपल गो सर्फिंग- द एजुकेशन ऑफ ए रिलक्टेंट बिजनेसमैन। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने बहुत कम पैसों में गुजारा किया। उन्होंने लिखा कि



साल 1957 में वे और उनके दोस्त मैक्सिको में एक झोपड़ी में रहे। वे फल और मछली खाकर जिंदा रहे। चर्च से मोमबत्तियां लेकर अपनी सर्फबोर्ड को चमकाते थे। साल 1973 में कपड़ों की कंपनी पेटागोनिया शुरू करने से पहले, वे अपनी कार से ही पर्वतारोहण के उपकरण बेचते थे। 86 साल के चौइनार्ड अब अरबपति नहीं रहे। उन्होंने अपनी पूरी कंपनी एक ट्रस्ट और एक गैर-लाभकारी संस्था को दे दी है। इससे पेटागोनिया को हर साल होने वाला लगभग 100 मिलियन डॉलर का मुनाफा जलवायु परिवर्तन से लड़ने और जंगलों को बचाने में इस्तेमाल होता है। यह पैसा अब उनकी निजी संपत्ति में नहीं जाता।

चौइनार्ड का जीवन ऐसा रहा है कि उनका यह फैसला किसी को हैरान नहीं करता। वे रॉक क्लाइंबिंग के शौकीन हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती जिंदगी बहुत ही साधारण तरीके से गुजारी। उनके पास बहुत कम चीजें थीं।

अपनी आत्मकथा में उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कम पैसों में गुजारा किया। साल 1957 में वे और उनके दोस्त मैक्सिको में एक झोपड़ी में रहे। वे फल और मछली खाकर जिंदा रहे। चर्च से मोमबत्तियां लेकर अपनी सर्फबोर्ड को चमकाते थे। पेटागोनिया शुरू करने से पहले, वे अपनी कार से ही पर्वतारोहण के उपकरण बेचते थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, मुनाफा बहुत कम होता था। कई हफ्तों तक मैं 50 सेंट से 1 डॉलर में गुजारा करता था।

इलाज के लिए भी नहीं होते थे पैसे: कई बार तो उन्होंने पैसे बचाने के लिए बिल्लियों का भी खाना खाया। वे बिल्लियों का ऐसा खाना खरीदते थे, जिनके डिब्बे टूटे हुए होते थे। ऐसे डिब्बे उन्हें 5 सेंट में मिल जाते थे। गंदा पानी पीने से वे अक्सर बीमार पड़ जाते थे। उनके पास इलाज कराने के लिए पैसे नहीं होते थे। चौइनार्ड ने बताया कि उन्होंने खुद ही अपना इलाज खोज निकाला था। वे आग से कोयला निकालते थे। फिर उसे आधा कप पानी में नमक के साथ मिलाकर पीते थे। इससे उन्हें उल्टी होती थी और वे ठीक हो जाते थे।

3 अरब डॉलर हो गई थी कंपनी की कीमत

इन अनुभवों ने उनकी सोच को बदल दिया। जब पेटागोनिया एक बड़ी कंपनी बन गई, जिसकी कीमत लगभग 3 अरब डॉलर थी, तब भी उनकी सोच नहीं बदली। चौइनार्ड को अरबपति कहलाना अच्छा नहीं लगता था। साल 2017 में फोर्ब्स की लिस्ट में अपना नाम आने पर उन्होंने फॉर्च्यून पत्रिका से कहा कि उन्हें इससे बहुत गुस्सा आया। उन्होंने कहा कि यह कोई उपलब्धि नहीं है, बल्कि एक नीतिगत विफलता है। चौइनार्ड ने कंपनी को बेचने या शेयर बाजार में लाने के बारे में नहीं सोचा। उनका मानना था कि ये दोनों ही तरीके उनके लक्ष्यों के खिलाफ होते। कंपनी को बेचने से उन्हें अरबों डॉलर मिल जाते, जिसे वे नहीं चाहते थे।

धुआंधार फॉर्म में स्मृति मंधाना...

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना इन दिनों जोरदार फॉर्म में हैं. 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला वनडे वर्ल्ड कप में उनका बल्ला चला तो कई कीर्तिमान बन सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई ओडीआई सीरीज में 29 साल की मंधाना ने 3 पारियों में 300 रन (58, 117 और 125) बनाए और साबित किया कि दबाव की परिस्थितियों में भी वह बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं. तीसरे ओडीआई में अरुण जेटली स्टेडियम में उन्होंने 50 गेंदों में शतक जड़ा, जो महिला ओडीआई में भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज और कुल मिलाकर मेग लैनिंग (45 गेंद) के बाद दूसरी सबसे तेज पारी है. यह मुकाबला रिकॉर्ड-ब्रेकिंग साबित हुआ, जिसमें 781 रन बने, महिला ओडीआई का अब तक का सबसे अधिक स्कोर, और 99 चौके और 12 छक्के भी शामिल थे.

मंधाना अब 13 ओडीआई शतक के साथ सूजी बेट्स के बराबर हैं, जबकि मेग लैनिंग 15 शतकों के साथ पहले स्थान पर हैं. 2025 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़ दिए हैं, जो किसी कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड के बराबर है.

महिला वर्ल्ड कप में 6 बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब ओडीआई



वर्ल्ड कप में मंधाना के बड़े लक्ष्य

- 5000 रन- महिला ओडीआई में मंधाना को 5000 रन पूरे करने के लिए केवल 112 रन चाहिए. इस सूची में मिताली राज, शार्लोट एडवर्ड्स, सूजी बेट्स और स्टेफनी टेलर शामिल हैं.
- सबसे तेज 5000 रन- मंधाना इस रिकॉर्ड को सबसे तेज बनाने वाली बल्लेबाज बनने के करीब हैं. स्टेफनी टेलर ने इसे 129 पारियों में हासिल किया था.
- ओपनर के रूप में 5000 रन- मंधाना को यह रिकॉर्ड पूरा करने के लिए 137 रन चाहिए. सूजी बेट्स ही पहले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने ओपनर के रूप में 5000 रन बनाए.
- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन- मंधाना को साल में सबसे ज्यादा महिला ओडीआई रन बनाने के लिए 42 रन चाहिए. यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क के नाम है, जिन्होंने 1997 में 16 मैचों में 970 रन बनाए थे.
- कैलेंडर ईयर में 1000 रन- मंधाना को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 72 रन चाहिए.
- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा शतक- मंधाना को यह रिकॉर्ड बनाने के लिए सिर्फ एक शतक की जरूरत है. 2024 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़े थे.
- स्मृति मंधाना की यह शानदार फॉर्म और उनकी निगाहें महिला क्रिकेट के इतिहास में नाम दर्ज कराने पर हैं. विश्व कप में उनका

प्रदर्शन सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे महिला क्रिकेट जगत के लिए रोमांचक होगा.

शमार जोसेफ भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर, इस ऑलराउंडर को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर 22 वर्षीय जोहान लेन को टीम में स्थान मिला है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर जोहान लेन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का शानदार मौका



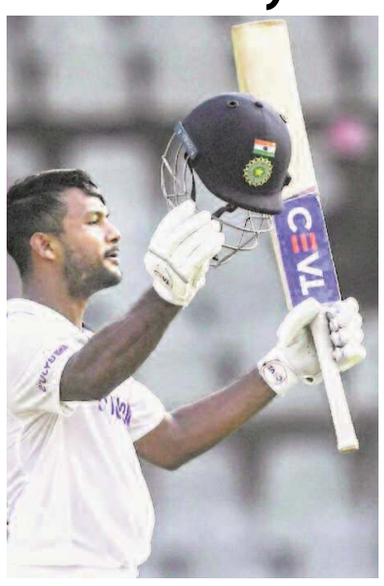
है। उन्होंने अब तक 19 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 22.28 की औसत के साथ 66 विकेट निकाले, जिसमें चार बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इसके अलावा, बल्ले से उन्होंने 495 रन बनाए, जिसमें 2 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। वहीं, 12 लिस्ट-ए मुकाबलों में जोहान 13 विकेट लेने के अलावा, 124 रन जोड़ चुके हैं। लेन को 5 टी20 मैच खेलने का भी अनुभव है। दूसरी ओर, 11 टेस्ट मैच खेलने वाले शमर जोसेफ ने 21.66 की औसत से 51 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने जनवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अपने पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट हासिल किए थे।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में पहली बार बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को मौका दिया गया है। 33 वर्षीय इस खिलाड़ी को वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है, जहां उन्होंने इस सीजन में 13.56 की औसत से सर्वाधिक 41 विकेट हासिल किए थे।

भारत और वेस्टइंडीज की टीमें 2-14 अक्टूबर के बीच दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। पहला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरे टेस्ट की शुरुआत 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच यह टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। जून-जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद रोस्टन चेज की अगुवाई वाली टीम का नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में यह दूसरा दौरा होगा। पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज ने भारत के विरुद्ध 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। यह साल 2018 के बाद वेस्टइंडीज का टेस्ट सीरीज के लिए भारत का पहला दौरा होगा।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम- रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), केवलॉन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, टैगेनारिन चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, तेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, जोहान लेन, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खैरी पियरे और जायडेन सील्स।

मयंक ने यॉर्कशायर के लिए खेली शतकीय पारी, 20 चौके और 5 छक्के लगाए



हेडिंग्ले, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के खिलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आखिरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए। पहले डरहम के ऑलराउंडर बेन रेन ने अपने पहले दिन के स्कोर नाबाद 87 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 101 रन बनाए। यॉर्कशायर के लिए नई गेंद के गेंदबाज जैक व्हाइट ने 69 रन देकर 5 विकेट लिए। अग्रवाल ने अपनी 195 गेंदों की पारी में 20 चौके और 5 छक्के लगाए और सलामी बल्लेबाज एडम लिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 127 रनों की साझेदारी की। लिथ ने अपने 38वें जन्मदिन पर 69 रन की पारी खेली। अच्छे बल्लेबाजी हालात होने के बावजूद लिथ और अग्रवाल को सतर्क रहकर खेलना पड़ा। वे सजग रहे, लेकिन रन भी बनाए। लिथ ने ऑफ साइड में बेहतरीन शॉट लगाए और अग्रवाल शुरू से लय में थे। इससे पहले यॉर्कशायर के लिए तीन पारियों में दो शून्य रहे थे। लिथ ने 102 गेंदों में जबकि अग्रवाल ने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अग्रवाल ने अफ़ग़ान गफ़ारी की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर पचासा पूरा किया। इसके थोड़ी देर बाद गफ़ारी ने लिथ को स्लिप में पॉट्स के हाथों कैच कराया।

अग्रवाल ने फिर गफारी पर हमला बोला और चाय से पहले उन पर तीन और छक्के जड़े। इसमें दो छक्के एक ही ओवर में सीधी बाउंड्री पर थे, जबकि उन्होंने एक मिडविकेट के ऊपर से मैक्सिमम हिट मारा। उन्होंने 122 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें दूसरा 50 सिर्फ 38

केएल राहुल की यादगार पारी...

इंडिया-ए ने रचा इतिहास, कंगारुओं के खिलाफ चेज किए 412 रन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच दो मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 से 26 सितंबर तक लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारत-ए टीम ने 5 विकेट से जीत हासिल की थी. भारत-ए टीम को जीत के लिए 412 रनों का मुश्किल टारगेट मिला था, जिसे उसने 91.3 ओवरों में हासिल कर लिया. इस जीत के साथ ही भारत-ए ने सीरीज पर 1-0 से कब्जा कर लिया. सीरीज का पहला मुकाबला इसी मैदान पर खेला गया था, जो ड्रॉ पर छूटा.

रेड बॉल क्रिकेट में 400 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होता, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो. लेकिन ध्रुव जुरेल की अगुवाई वाली इंडिया-ए टीम ने आराम से इस बड़े टारगेट को अचीव कर लिया. देखा जाए तो भारतीय जमीन पर पिछले 43 सालों में चौथी पारी में ये सबसे बड़ा सफल रनचेज रहा. साथ ही किसी ए टीम का रेड बॉल क्रिकेट में ये सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है.

पॉलिटिकल स्टेटमेंट न दें... उन्होंने जीत पहलगाम पीड़ितों और सेना को समर्पित की थी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने गुरुवार को सलाह दी कि वे ऐसी कोई टिप्पणी न करें जो राजनीतिक मानी जा सके। यह सलाह के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने एक आधिकारिक सुनवाई के दौरान दी। यह सुनवाई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत पर हुई, जिसमें सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के बाद की गई टिप्पणियों में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति समर्थन जताया था। सूर्यकुमार ने

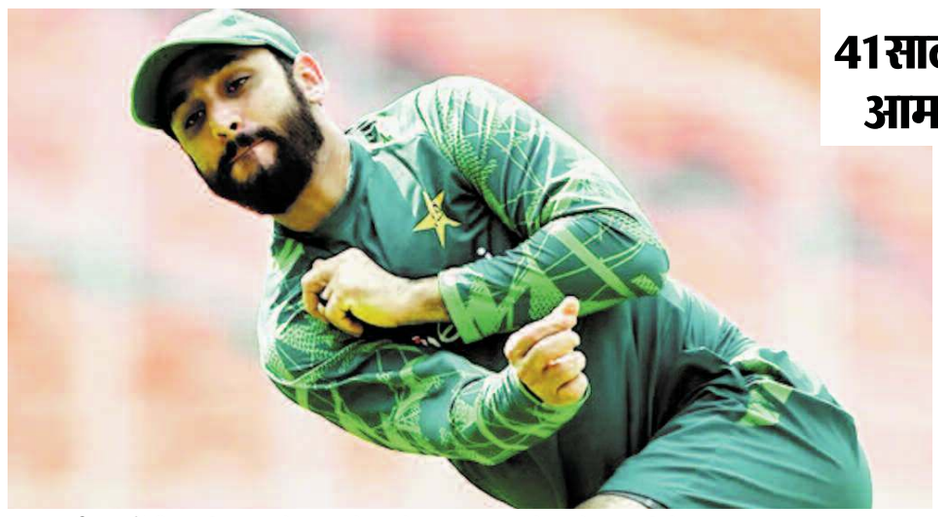


इन टिप्पणियों के लिए खुद को दोषी नहीं बताया। सुनवाई में बीसीसीआई के सीओओ और क्रिकेट ऑपरेशंस मैनेजर भी सूर्यकुमार के साथ थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिचर्डसन ने सूर्यकुमार को समझाया कि उन्हें ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए जो राजनीतिक लगें। सजा के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह लेवल-1 का उल्लंघन है, इसलिए सूर्यकुमार को चेतावनी या 15 मैच फीस का जुर्माना हो सकता है। वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी बुधवार को पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में औपचारिक शिकायत दर्ज की है। मामले की सुनवाई शुक्रवार (26 सितंबर) को होगी, क्योंकि गुरुवार को वे श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप मैच खेल रहे हैं। दरअसल, 21 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप सुपर-4 मैच के दौरान दोनों ने भड़काऊ इशारे किए थे।

एशिया कप

फाइनल में पहुंचते ही पाकिस्तान के कप्तान सलमान देखने लगे ख्वाब

भारत को हराने का जताया भरोसा



दुबई , एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर एशिया कप के फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान आगा ने भरोसा जताया है कि उनकी टीम रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत को हरा देगी। सलमान फाइनल में पहुंचते ही ख्वाब देखने लगे हैं, लेकिन वह शायद भूल गए हैं कि यह वही भारतीय टीम है जिसने एशिया कप में उसे दो बार करारी शिकस्त दी है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। गुरुवार को खेले गए सुपर-4 मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 124 रन ही बना पाई।

41 साल में खिताबी मैच में पहली बार आमने-सामने भारत-पाकिस्तान

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला गया। भारतीय टीम सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली टीम है। भारत ने अब तक आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं, पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार खिताब अपने नाम किया, जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। दिलचस्प बात यह है कि एशिया कप के 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत-पाकिस्तान का फाइनल में आमना-सामना नहीं हुआ था। अब इतिहास पलटने जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने मौजूदा संस्करण में पाकिस्तान को दो बार पटखनी दी है और फिलहाल टीम इस टूर्नामेंट में अजेय है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए खिताब की जंग आसान नहीं होने वाली है।

भारत के खिलाफ वापसी का भरोसा जताया

मैच के बाद आगा ने कहा, अगर आप इस तरह के मैच जीतते हैं, तो हम एक खास टीम जरूर बन जाते हैं। सभी ने बहुत अच्छा खेला। बल्लेबाजी में कुछ सुधार की जरूरत है। लेकिन हम इस पर काम करेंगे। हम किसी को भी हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। हम रविवार को वापसी करेंगे और ऐसा (जीत हासिल) करने की कोशिश करेंगे।सलमान ने अपने गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने पहली ही गेंद से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में बनाए रखा। आगा ने कहा, शाहीन एक खास खिलाड़ी हैं। वह वही करते हैं जो टीम को उनसे चाहिए। उनके लिए बहुत खुश हूं। हम 15 रन पीछे रह गए। जिस तरह से हमने शुरुआत में गेंदबाजी की उससे हमने दबाव बनाया। हमने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की। अगर आप इस तरह गेंदबाजी करते हैं तो अक्सर आप मैच जीत जाते हैं। हमारी फील्डिंग अच्छी रही है। शेन हम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम अतिरिक्त सत्र भी ले रहे हैं। माइक हेसन ने कहा था कि अगर आप फील्डिंग नहीं कर सकते तो आप टीम में नहीं होंगे।

एशिया कप फाइनल मुकाबले से पहले अख्तर ने पाकिस्तानी टीम को दी नसीहत, इस भारतीय पर ध्यान देने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। अख्तर भारतीय टीम के दबदबे से पूरी तरह अवगत हैं, इसलिए उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से अपनी मानसिकता बदलने और भारत का दबदबा खत्म करने कहा है। भारत और पाकिस्तान की टीमें पहली बार एशिया कप के फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी। दोनों टीमों के बीच इससे पहले मौजूदा टूर्नामेंट में दो बार भिड़ंत हुई है जहां दोनों ही बार भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दी है। इसमें कोई शक नहीं है कि खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी, लेकिन पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को बताया है कि भारत के खिलाफ किस रणनीति पर आगे बढ़ें।

बांग्लादेश को हराकर फाइनल में पहुंचा पाकिस्तान- पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर



फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। पाकिस्तान का प्रदर्शन बल्लेबाजी में खराब रहा है, लेकिन टीम गेंदबाजों के दम पर फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। अख्तर भारतीय टीम के दबदबे से पूरी तरह अवगत हैं, इसलिए उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से अपनी मानसिकता बदलने और भारत का दबदबा खत्म करने कहा है।

अख्तर ने खिलाड़ियों से मानसिकता बदलने कहा - अख्तर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, इस मानसिकता से बाहर निकलो उनके दबदबे को किनारे रखो। बस उनके दबदबे को तोड़ दो। बस इसी मानसिकता के साथ खेलो जो तुमने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में दिखाई थी। तुम्हें इसी तरह की मानसिकता की जरूरत है। तुम्हें 20 ओवर गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं है, तुम्हें बस विकेट लेने की जरूरत है।

तेज रफ्तार, ऊंची छलांग और जज्बे का तूफान, दिल्ली में दिखेगा पैरालंपियनों का दम



विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार 27 सितंबर 2025 से शुरू होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के साथ, राजधानी दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इस क्षेत्र के कुछ सर्वश्रेष्ठ एथलीट प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे। इसमें ब्लेड जम्पर, सीरियल मेडलिस्ट और व्हीलचेयर मैराथन के दिग्गज शामिल हैं। यहां हम ऐसे ही कुछ शीर्ष पैरालंपियनों के बारे में जानेंगे जो अगले कुछ दिनों तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दम-खम दिखाने के लिए तैयार हैं।

अथानासियोस घावेलस (ग्रीस)- 100 मीटर टी-11- टी11 श्रेणी में सबसे तेज धावक, अथानासियोस घावेलस



दो बार के पैरालंपिक चैंपियन और 2023 संस्करण के विश्व चैंपियन हैं। साल 2024 के फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद, वह अपना दूसरा विश्व खिताब जीतने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता में उतरेंगे। 10.82 सेकंड के समय के साथ उनके नाम विश्व रिकॉर्ड है। 100 मीटर टी-11 स्पर्धा में दृष्टिबाधित एथलीट गाइड के साथ दौड़ते हैं।

शियाओयान वेन (चीन) - 100 मीटर टी37, 400 मीटर टी37, लंबी कूद टी37- शियाओयान वेन लगातार पदक विजेता हैं। उन्होंने जिन भी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, उनमें से हर स्पर्धा में ढेरों पदक जीते हैं। उनके नाम नौ पैरालंपिक स्वर्ण पदक हैं, जिनमें से पांच 2024 पेरिस ओलंपिक में आए हैं। इसमें 100 मीटर टी37, 200 मीटर टी37, लंबी कूद टी37 और 4म100 मीटर यूनिवर्सल रिले में जीते गए गए स्वर्ण पदक शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप में, उन्होंने सात स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 100 मीटर टी37 में अपने खिताब का बचाव करेंगी और 400 मीटर टी37 और लंबी कूद टी37 स्पर्धाओं में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कैथरीन डेब्रनर (स्विटज़रलैंड) - 100 मीटर टी53- व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने 2024 पेरिस पैरालंपिक में पांच स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था।

उनके नाम आठ विश्व चैंपियनशिप पदक हैं, जिनमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। इनमें से चार पेरिस में आयोजित पिछली विश्व चैंपियनशिप में आए थे।

नवरात्रि लुक

टीना दत्ता का नवरात्रि लुक देख कहेंगे दुग्गा-दुग्गा, सोने से लदी दिखीं एक्ट्रेस

टीवी सीरियल उतरन की इच्छा यानी टीना दत्ता टीवी सीरियल से लेकर वेब सीरीज में अपना कमाल दिखा रही हैं। टीवी एक्ट्रेस टीना ने नवरात्रि के चौथे दिन का अपना ट्रेडिशनल और बंगाली संस्कृति को दर्शाता लुक शेयर किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर किया है, जिसमें वो गहरे लाल रंग की साड़ी में हैं, जिस पर गोल्डन प्रिंट के बड़े-बड़े डिजाइन हैं। एक्ट्रेस ने गोल्ड की ज्वेलरी से खुद को सलीके से सजा रखा है। एक्ट्रेस की बड़ी नथ ने उनके लुक में चार-चांद लगा दिए हैं। एक्ट्रेस ने लगातार 10 फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की है और फोटो पर लिखा- दुग्गा- दुग्गा। एक्ट्रेस के लुक में ग्रेस और शांति दोनों हैं, चेहरे पर एक स्थिर भाव है, जो किसी को भी मंत्रमुग्ध कर सकता है। टीना का लुक देखकर लग रहा है कि जैसे मां लक्ष्मी खुद भक्तों को दर्शन देने के लिए धरती पर आ गई हैं। फोटोज के साथ एक्ट्रेस ने बांग्ला में कैप्शन लिखा है- दुर्गा पूजा के सौजन्य सेज्अंतरात्मा को आत्मसात करते हुए, मुझे अपनी लय मिल गई। भक्ति से भरा हृदय, और उत्सव से भरी आत्मा...दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं! फैंस भी एक्ट्रेस के लुक को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं।



नवरात्रि शो

फिटनेस फ्रीक हैं करिश्मा तन्ना, नवरात्रि शो के बाद देर रात किया वर्कआउट

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना इन दिनों सूरत में हैं, यहां वह सबसे बड़े डांडिया कार्यक्रम की मेजबानी करने पहुंची हैं। इसकी मेजबानी करने के साथ ही वह अपनी फिटनेस का पूरा ख्याल रख रही हैं। अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह जिम जाती और ट्रेडमिल पर वॉक करती दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में वह सुबह 3 बजे अपने नवरात्रि के शो का पैकअप करती दिखाई दे रही हैं। देर रात तक काम करने और नींद की कमी के बावजूद अभिनेत्री सुबह जिम जाना नहीं भूलीं। करिश्मा तन्ना ने हमेशा एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाई है, और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वो लगातार साझा करती रहती हैं। इनके जरिए वह फैंस को फिट रहने के लिए प्रेरित करती दिखाई देती हैं। कुछ समय पहले अपने पति के साथ वह छुट्टियां मनाने विदेश गई थीं। इस दौरान भी वह जिम जाने से नहीं चूकीं। हाल ही में वो अहमदाबाद की ट्रिप पर गई थीं, इसके लिए भी उन्होंने प्लेन नहीं, ट्रेन की जर्नी चुनी थी। यही नहीं, सूरत में अपने डांडिया प्रोग्राम के लिए भी वह ट्रेन से सफर कर वहां पहुंची। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी थी।



दिल की खुशी

रुबीना दिलैक ने डांस के जरिए बयां की अपने दिल की खुशी

मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री रुबीना दिलैक, जो अपनी शानदार एक्टिंग और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने सुकून और खुशी के बारे में बताया। इन तस्वीरों में रुबीना डांस के अलग-अलग पोज देती दिख रही हैं। पहली तस्वीर में वह स्टाइलिश डांस पोज में हैं, जहां उनके हाथों की मुद्रा और चेहरे का आत्मविश्वास उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। दूसरी तस्वीर में उन्होंने दोनों हाथों को डांस के एक खास फॉर्म में ऊपर उठाया है, जिससे उनका लहंगा और चुन्नी का डिजाइन बेहतरीन तरीके से उभरकर सामने आया। बाकी तस्वीरों में भी वह कई अनोखे और ग्रेसफुल पोज में नजर आई, जो उनके डांस के प्रति जुनून को दर्शाता है। रुबीना ने इन तस्वीरों के साथ एक दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा, डांस करना मेरी अंतर आत्मा को खुशी और शांति देता है। उनके इस कैप्शन ने साफ कर दिया कि डांस उनके लिए सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि उनके दिल और आत्मा को सुकून देने का जरिया है। रुबीना की ये तस्वीरें फैंस के बीच खूब पसंद की जा रही हैं। रुबीना के शुरुआती दिनों की बात करें तो उन्होंने साल 2006 में मिस शिमला का खिताब जीता था। फिर साल 2008 में मिस नॉर्थ इंडिया बनीं और उसी साल उन्होंने सीरियल छोटी बहू से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था।



48 की उम्र में भी कहर ढाती हैं मल्लिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत की फिटनेस का तो कोई जवाब नहीं! 48 की उम्र में भी एक्ट्रेस कहर ढाती हैं.

48 साल की हो चली बॉलिवुड की हसीन अदाकारा मल्लिका शेरावत आज भी अपनी कातिल अदाओं से लोगों को दीवाना बना लेती हैं. उन्हें देखकर कोई उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगा पाएगा. मल्लिक काफी फिर और ग्लैमरस लगती हैं. आज हम आपको उनकी फिटनेस का राज बता रहे हैं. एक ऐसे योग के बारे में जिसका अभ्यास एक्ट्रेस रोज करती हैं.

करती हैं रोजाना इस योग का अभ्यास

बॉलीवुड में अपनी फिल्मों से सबको दीवाना बनाने वाली मल्लिका अपनी डाइट और स्वास्थ का खास ख्याल रखती हैं. वो रोजाना आयंगर योग करती है. रोजाना इसके अभ्यास से एक्ट्रेस खुद को फिट बनाए रखती हैं.

मेडिटेशन है बहुत जरूरी

एक्ट्रेस अक्सर अपने सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि उनके फिट रहने का राज किसी भी फास्ट फूड या ट्रेंडी डाइट में नहीं है. वो नियमित रूप से योग और मेडिटेशन फॉलो करती हैं.

बहुत ही फायदेमंद है योग

रोजाना आयंगर योग ही उनके शरीर को स्वस्थ, लचीला और टोंड बनाए रखता है. एक्ट्रेस रोजाना इसका अभ्यास करती हैं. मल्लिका के अनुसार शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग बहुत जरूरी है.

एक्ट्रेस ने बताई ये बात

एक्ट्रेस का मानना है कि रोजाना योग और मेडिटेशन के अभ्यास से मन शांत और दिमाग तेज होता है. इस दौडती, भागती जिंदगी खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है.





'स्ट्रेंजर थिंग्स के दीवानों के लिए बड़ा मौका

नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज स्ट्रेंजर थिंग्स के पांचवे और फाइनल सीजन को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। आखिरी सीजन से पहले दुनिया भर के प्रशंसकों को पिछले सभी सीजन दोबारा देखने का मौका मिलने वाला है। स्ट्रेंजर थिंग्स अपने अंतिम अध्याय की ओर बढ़ रही है। इस सीरीज के दीवाने इसके पांचवे सीजन का बड़ी बसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसका बीते बुधवार को ट्रेलर भी रिलीज हुआ, जिसनें फैंस के बीच इसकी चर्चा बढ़ गई है। इसके साथ ही फिनाले से पहले दर्शक स्ट्रेंजर थिंग्स के सभी पुराने सीजन का आनंद ले सकते हैं। जानिए पूरी जानकारी।

कहां देख सकेंगे सीरीज के पुराने सीजन?

स्ट्रेंजर थिंग्स के पांचवें और आखिरी सीजन के प्रीमियर से होने से पहले, प्रशंसक इस सीरीज के पुराने सीजन को सोशल चैनलों और Tudum.com पर देख सकते हैं। दर्शक 29 सितंबर से सभी पिछले सीजन दोबारा देख सकते हैं।

क्या दिखा ट्रेलर में?

बुधवार को जारी हुए आखिरी सीजन के ट्रेलर में हॉकिन्स को अपसाइड डाउन द्वारा टुकड़े-टुकड़े होते हुए दिखाया गया है, जो पहली बार पूरे शहर को सीधे खतरे में डालता है। लुकास और मैक्स के अस्पताल वाले दृश्य से लेकर इलेवन और माइक के बीच के नए पलों तक, कहानी हर किरदार को खतरे के केंद्र में रखने का वादा करती है। मिली बॉबी ब्राउन ने इसे एक मिशन से ज्यादा रोमांचक बताया, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि आखिरी सीजन बेहद ही शानदार होने वाला है।

निर्माताओं ने सीरीज को लेकर क्या कहा?

सीरीज के मेकर्स ने कहा, सरकार ने अपने मिशन को और जटिल बनाते के लिए शहर को सैन्य क्वारंटाइन में डाल दिया है और इलेवन की तलाश तेज कर दी है। इससे उसे फिर से छिपना पड़ रहा है। जैसे-जैसे विल के लापता होने के दिन नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे एक भारी, जाना-पहचाना डर भी बढ़ रहा है। अंतिम लड़ाई मंडरा रही है और उसके साथ, एक ऐसा अंधेरा जो पहले कभी नहीं देखा गया, जो उससे कहीं ज्यादा शक्तिशाली और घातक है।'



आ गया जापानी साइंस-फिक्शन सीरीज का तीसरा सीजन

जापानी सीरीज 'एलिस इन बॉर्डरलैंड' के नए सीजन का इंतजार कर रहे फैंस का अब इंतजार पूरा हो गया है। 'एलिस इन बॉर्डरलैंड' सीजन 3 रिलीज हो गया है। लोकप्रिय जापानी सीरीज 'एलिस इन बॉर्डरलैंड' का तीसरा सीजन आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब लगभग तीन साल बाद सीरीज का तीसरा सीजन रिलीज हुआ है।



एकसाथ रिलीज होंगे सभी एपिसोड

फैंस के लिए सबसे ज्यादा खुशी की बात ये है कि इस हिट जापानी साइंस-फिक्शन सीरीज के सभी एपिसोड एकसाथ रिलीज हुए हैं। यानी आज से सारे एपिसोड नेटफ्लिक्स पर मौजूद हैं। अब फैंस को इस शो के अलग-अलग एपिसोड के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस सीजन में कुछ छह एपिसोड हैं। दिसंबर 2022 में रिलीज होने वाली इस सीरीज का दूसरा सीजन एक रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ था। जब उसागी (ताओ त्सुचिया) और अरिसु (केंटो यामाज़ाकी) किसी तरह वास्तविक दुनिया में वापस आने में कामयाब रहे।

कार्तिक आर्यन ने माता-पिता के साथ मिलकर मुंबई में खरीदा ऑफिस स्पेस



अभिनेता कार्तिक आर्यन ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में एक ऑफिस स्पेस खरीदा है। अभिनेता ने इसे अपने माता-पिता के साथ मिलकर खरीदा है। अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने मुंबई में एक दफ्तर खरीदा है। अभिनेता ने अपने माता-पिता माला तिवारी और मनीष तिवारी के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में यह ऑफिस स्पेस खरीद है। इस ऑफिस की कीमत 13 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

कितना है ऑफिस का एरिया?

प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक कार्तिक के ऑफिस की यह डील सितंबर 2025 में रजिस्टर हुई है। ऑफिस प्रोजेक्ट का नाम सिग्नेचर बाय लोटस है। इसमें लगभग 1,905 स्क्वायर फीट (कार्पेट एरिया) और 2,095 स्क्वायर फीट (बिल्ट-अप एरिया) है। इसके साथ तीन कार पार्किंग की भी सुविधा मिली है।

डिजाइनर कपड़ों में दिखूंगा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता विक्रांत को मिली करण जौहर की फिल्म, बोले-

नेशनल अवॉर्ड जीतते ही विक्रांत मैसी के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। अब वो करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म में नजर आएंगे। जानिए फिल्म का नाम। अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने को लेकर चर्चाओं में हैं। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में उन्हें फिल्म '12वीं फेल' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। अब अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर बात की है। इसमें उन्होंने बताया कि वो करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस की एक मच अवेटेड फिल्म में नजर आने वाले हैं। जानिए कौन सी है वो फिल्म, जिसमें विक्रांत निभाएंगे प्रमुख भूमिका?

विक्रांत मैसी अब तक एक कॉमन मैन के ही किरदार में दिखाई दिए हैं। लेकिन अब वो करण जौहर की आगामी फिल्म में महंगे कपड़ों और स्टाइलिश सनग्लासेज में नजर आएंगे। बातचीत के दौरान विक्रांत मैसी ने बताया कि अब लोग उन्हें जल्द ही डिजाइनर कपड़े और फैंसी सनग्लासेस में देख पाएंगे।

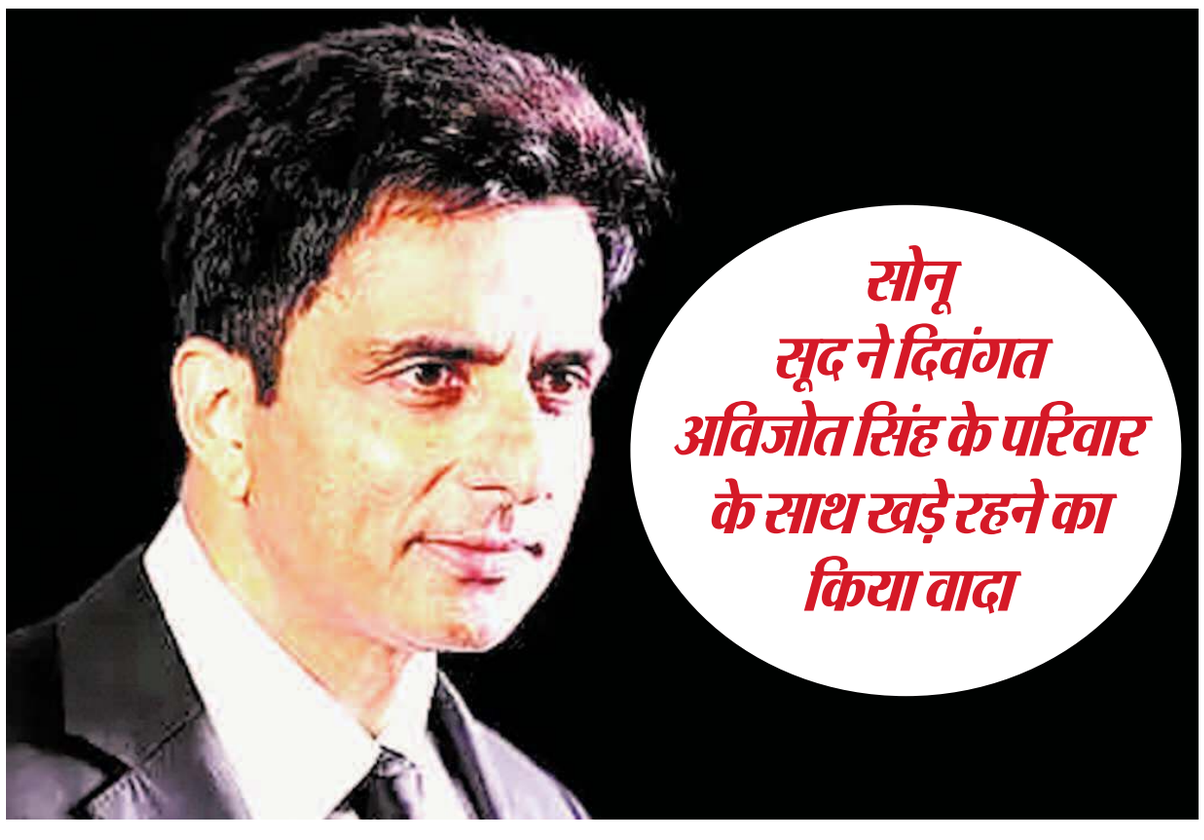


सूती साड़ी में खिलकर आई अक्षरा सिंह की खूबसूरती

भोजपुरी सिनेमा की शेरनी अक्षरा सिंह का मुकाबला कर पाना किसी एक्ट्रेस के बस की बात नहीं है। पवन सिंह से विवाद के बाद से एक्ट्रेस ने अपनी मेहनत के बलबूते पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। अब अक्षरा ने साड़ी पहनकर, सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है।

अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रेडिशनल फोटो पोस्ट की है जिसमें वो सूती सफेद साड़ी में भी प्यारी लग रही हैं। एक्ट्रेस की साड़ी पर ब्लू कलर में नजर वाला प्रिंट बना है। एक्ट्रेस ने साड़ी को पिंक ब्लाउज के साथ कैरी किया है और मेकअप को बिल्कुल मिनिमल रखा है।

एक्ट्रेस ने फोटोज को पोस्ट कर लिखा- ये साड़ी मुझसे कहती है, इससे पहले कि तुम मुझे देखो, मैं तुम्हें देख लेती हूं। अक्षरा ने अपने घर के गार्डन में पोज दिए हैं, उनके पीछे कई सारे फैंसी प्लांट दिख रहे हैं। इसी साड़ी में एक्ट्रेस ने कई रील भी पोस्ट की है। रील्स में एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन जानलेवा हैं। काम की बात करें तो अक्षरा का लेटेस्ट रिलीज गाना पटना की जगुआर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। एक्ट्रेस ने गाने में उन लड़कों से लड़ने का तरीका बताया है जो सड़क पर लड़कियों को परेशान करते हैं। गाने पर 4.79 लाख व्यूज आ चुके हैं। इस गाने को एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल चैनल पर रिलीज किया है। एक्ट्रेस ने नवरात्रि को देखते हुए भोली सी मईया भक्ति गीत भी रिलीज किया है। फैंस गाने को अच्छा रिस्पांस दे रहे हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अम्बे हैं मेरी मां की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म को यशी फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का पहला पोस्टर भी जल्द रिलीज किया जाएगा।



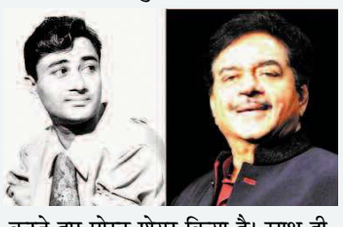
सोनू सूद ने दिवंगत अविजोत सिंह के परिवार के साथ खड़े रहने का किया वादा

अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद, जिन्होंने हाल ही में पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य के दौरान कई परिवारों से मिलने पहुंचे थे, अब उस युवा लड़के अविजोत के निधन से शोक में हैं। अविजोत एक छोटा लड़का था जिससे उनकी मुलाकात कुछ दिन पहले ही राहत कार्यों के दौरान हुई थी। अभिनेता ने उस समय अविजोत और उसके परिवार से वादा किया था कि वह उनके साथ खड़े रहेंगे और बाढ़ की तबाही के बावजूद उसका इलाज रुकने नहीं देंगे। सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा- अविजोत, जिस दिन तुमसे मिला, उसी दिन से तुमने अपनी हिम्मत से मुझे प्रेरित किया। आज तुमसे विदा ले रहा हूँ, लेकिन हमेशा तुम्हारे परिवार के साथ खड़ा रहूंगा। RIP नन्हे फरिश्ते उनका यह संदेश न सिर्फ उनकी पीड़ा को दर्शाता है, बल्कि अविजोत के परिवार के प्रति उनके समर्पण और संवेदना को भी दर्शाता है। कई लोगों के लिए सोनू सूद और अविजोत के बीच का यह रिश्ता मानवता और करुणा की मिसाल बन गया है। आपदा के समय में उनकी मौजूदगी केवल राहत तक सीमित नहीं रही, उन्होंने हर व्यक्ति को सम्मान, सहानुभूति और एक व्यक्तिगत जुड़ाव भी दिया। अविजोत के जाने के बाद भी सोनू सूद एक मज़बूत सहारा बने हुए हैं, यह याद दिलाते हुए कि सच्चे नायक केवल अपने कार्यों से नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति अपने प्रेम और ज़िम्मेदारी से पहचाने जाते हैं।

मैं हमेशा आभारी रहूंगा देव साहब

दिग्गज अभिनेता देव आनंद की पुण्यतिथि पर शत्रुघ्न सिन्हा का पोस्ट

दिग्गज अभिनेता देव आनंद की आज 26 सितंबर को बर्थ एनिवर्सरी है। इस मौके पर शत्रुघ्न सिन्हा ने उन्हें याद करते हुए पोस्ट शेयर किया है। साथ ही आभार भी जताया है। दिवंगत अभिनेता देव आनंद की बर्थ एनिवर्सरी पर शत्रुघ्न सिन्हा ने उन्हें याद करते हुए पोस्ट शेयर किया है। साथ ही उनसे मिलने वाली प्रेरणा के लिए आभार जताया है। आज 26 सितंबर को देव आनंद की बर्थ एनिवर्सरी है। शत्रुघ्न सिन्हा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, सबसे स्टाइलिश और दिग्गज फिल्म निर्माताओं में से एक देव आनंद की बर्थ एनिवर्सरी पर उनके द्वारा बनाए गए एक बेहद शानदार वीडियो को प्यार और स्नेह के साथ याद कर रहा हू।



शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे लिखा है, प्रेरणादायक! देव साहब, आपके स्नेह, मार्गदर्शन, सही राह दिखाने वाले हौसले, ढेर सारे प्यार और सपोर्ट के लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। देव साहब अमर रहें। पोस्ट के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें देव आनंद और शत्रुघ्न सिन्हा साथ नजर आ रहे हैं।

देव आनंद ने छह दशक के करियर में कीं सौ से ज्यादा फिल्में

देव आनंद भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे दिग्गज और सफल अभिनेताओं में शुमार रहे।